RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22
सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 69 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 22 दिसंबर 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

पंचायत ने बनवाया ऐसा टॉयलेट कि देखने वाले हैरान, एक ही बाथरूम में दो सीट

बस्ती (एजेंसी)। हमारे देश में भी एक से बढ़कर एक क्रिएटिविटी देखने को मिलती है। क्रिएटिविटी के मामले में यूपी के बस्ती जिले में एक टॉयलेट इन दिनों चर्चा में बना हुआ है। इस टॉयलेट की खास बात यह है कि बनाने वाले ने एक ही बाथरूम में दो टॉयलेट सीट लगा दी है। जब सामुदायिक शौचालय का निरीक्षण करने जब पंचायति राज अधिकारी पहुंचे तो यह नजारा देख दंग रह गए। अधिकारी ने गांव के सेकेट्ररी व प्रधान को नोटिस दिया है। इधर गांव का यह टॉयलेट सोशल मीडिया में चर्चा का विषय बना हुआ है।

दरअसल यह पूरा मामला यूपी के बस्ती जिला मुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर कुदरहा ब्लॉक के गौराधुंधा गांव का है। यहां पंचायती राज अधिकारी निरीक्षण करने पहुंचे तो शौचालय की हालत देखकर अचरज में पड़ गए। गौराधुंधा गांव में सेक्रेटरी और प्रधान ने 10 लाख की लागत से एक सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया था। इसमें एक ही बाथरूम में दो टॉयलेट सीट बिठा दिया गया। लोग यह सोचकर हैरान है कि एक बाथरूम में एक साथ दो लोग टॉयलेट कैसे करेंगे। इस वजह से अब तक इस सामुदायिक शौचालय का इस्तेमाल भी नहीं हो सका।

अधिकारी ने दिए संधारण के निर्देश

जांच के बाद अधिकारी ने गांव के सचिव व प्रधान को नोटिस देने के साथ ही शौचालय का संधारण करने के निर्देश भी दिए हैं। इधर गांव के इस खास शौचालय की जबरदस्त चर्चा है। बताया जा रहा है इसकी खबर फैलने के बाद इस खास टॉयलेट को देखने दूर-दूर से लोग भी पहुंचने लगे थे। टॉयलेट बनाने वाले की क्रिएटिविटी का तरह तरह से मजाक भी बनाया जाने लगा।

केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी ने की सीएम बघेल की तारीफ, ट्वीट कर उनके प्राकृतिक पेंट के इस्तेमाल के निर्णय को सराहा

नेक इरादों से ही देश और प्रदेश दूसरों के लिए प्रेरणा बनते हैं-सीएम बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केन्द्रीय परिवहन मंत्री नितिन गड़करी ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की तारीफ की है। भाजपा के दिग्गज नेता व केन्द्रीय मंत्री गड़करी ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा प्रदेश के सभी शासकीय विभागो के लिए जारी गोबर के रंगों के इस्तेमाल संबंधी निर्देश के लिए उनकी सराहना की। सीएम भूपेश बघेल ने हाल की में कहा था था कि अब शासकीय कार्यालयों, निगम मंडल और अन्य जितने भी सरकारी दफ्तर हैं, उनमें गोबर से बने प्राकृतिक पेंट से रंग रोगन किया जाएगा।

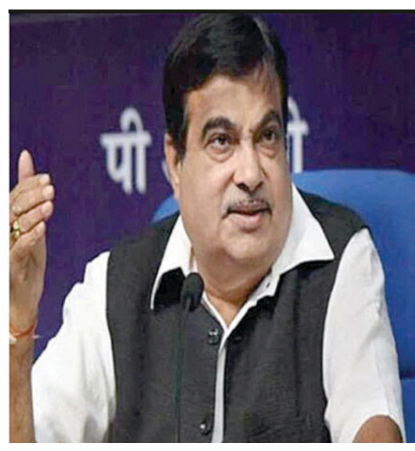

पर्यावरण की सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की दूरदर्शी सोच से शुरु हुई गोधन न्याय योजना का पूरा देश मुरीद हो चुका है। मुख्यमंत्री बघेल ने इस योजना की शुरूआत की थी जो आज पूरी तरह से सफ्ल होती नजर आ रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री के इस फैसले का केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी ने स्वागत किया है। गडकरी ने ट्वीट कर लिखा है कि छत्तीसगढ़ के सरकारी विभागीय निर्माण में गोबर से बने प्राकृतिक पेंट के इस्तेमाल का निर्देश छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दिया है, उनके इस फैसले का अभिनंदन करता हूं, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का ये फैसला सराहनीय और स्वागत योग्य है।

मुख्यमंत्री भूपेश ने दिया धन्यवाद

केन्द्रीय मंत्री के इस ट्वीट के जवाब में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी उनको धन्यवाद दिया है। सीएम बघेल ने ट्वीट करते हुए केंद्रीय मंत्री गड़करी को धन्यवाद देते हुए कहा है कि नेक इरादों से ही देश और प्रदेश दूसरों के लिए प्रेरणा बनते है। बघेल ने कहा है कि गोधन और श्रम का सम्मान कर छत्तीसगढ़ गांधी जी के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। बता दें कई मंचों पर छत्तीसगढ़ सरकार की इस योजना की तारीफ खुद प्रधानमंत्री और कई केंद्रीय मंत्री कर चुके हैं। इसके अलावा इस योजना को राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार भी मिल चुके हैं। यहां तक की इस योजना के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए कई राज्य अपने यहां के अधिकारियों को भी छत्तीसगढ़ के दौरे पर भेज चुके हैं।

शासकीय भवनों में गोबर से बने पेंट के इस्तेमाल का निर्देश

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सभी शासकीय विभागों, निगम-मंडलों एवं स्थानीय निकायों में भवनों के रंग-रोगन के लिए गोबर पेंट का अनिवार्यत: उपयोग करने के निर्देश दिये हैं। पूर्व में जारी किए गए निर्देशों के बावजूद अभी भी निर्माण विभागों द्वारा केमिकल पेंट का उपयोग किए जाने पर नाराजगी जताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा है कि निर्देशों का उल्लंघन करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री बघेल ने मुख्य सचिव को सभी विभागों, निगम-मंडलों और स्थानीय निकायों को भवनों के रंगरोगन के लिए गोबर पेंट का उपयोग अनिवार्यत: करने के निर्देश जारी करने को कहा है। श्री बघेल ने कहा है कि गोबर पेंट का उपयोग ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण और पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण होगा।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले अब नहीं कर सकेंगे कैश नहीं होने का बहाना, दुर्ग पुलिस को मिला ई-चालान डिवाइस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस को एसबीआई के सहयोग से ई-चालान डिवाइस मिला है। इस डिवाइस की मदद से दुर्ग पुलिस अब चालानी कार्रवाई भी डिजिटल तरीके से करेगी। खासबात यह है कि इस डिवाइस के इस्तेमाल से ट्रैफिक्र नियम तोड़ने वाला शख्स कैस नहीं होने का बहाना नहीं कर पाएगा। मल्टिपल पेमेंट ऑप्शन के साथ इस डिवाइस को दिया गया है। गुरुवार को पुलिस कंट्रोल रूम सेक्टर-6 में इस डिवाइस का डेमो किया गया। वहीं इस मौके पर यातायात विभाग को 29 व दुर्ग जिले के हाइवे किनारे स्थित थानों को 6 डिवाइस दिए गए हैं।

ई-चालन डिवाइस की खासियतों में सबसे पहला तो यह है कि इसमें मल्टिपल पेमेंट ऑप्शन दिए गए हैं। इस डिवाइस की मदद कार्ड स्वैपिंग के साथ ही क्यू-आर कोड की भी सुविधा दी गई है। डिवाइस को ऐसे डिजायन किया गया है जिसमें वाहन का नंबर डालते ही उसके

मालिक की सारी जानकारी आ जाएगी। इसकी मदद से लिया जाने वाला चालान बैंक की मदद से सीधे ट्रेजरी में चला जाएगा।

यातायात डीएसपी सतीश ठाकुर ने बताया कि दुर्ग पुलिस लगातार अपग्रेड हो रही है। इसी कड़ी में ई-चालान डिवाइस के बेहतर माध्यम साबित होगा। इस डिवाइस से एनआईसी, ट्रेजरी, एसबीआई, आरटीओ, ट्रैफिक्र व न्यायालय को लिंक किया गया है। किसी भी तरह का चालान इस डिवाइस की मदद से ऑनलाइन पटाया जा सकता है। इस डिवाइस की मदद से यातायात विभाग की कार्रवाई व चालान काटने में पारदर्शिता भी आएगी।

रायपुर के बाद दुर्ग पुलिस को मिला डिवाइस

ई-चालान डिवाइस इससे पहले राजधानी रायपुर पुलिस को दी गई है। रायपुर के बाद दुर्ग पुलिस को अब यह डिवायस दिया गया है। गुरुवार को 35 डिवाइस पुलिस विभाग को दिए गए। इनमे से 29 ट्रैफिक्र पुलिस को दिया गया। इसके अलावा थाना कोतवाली, सुपेला, छावनी, खुर्सीपार, पुरानी भिलाई व कुम्हारी पुलिस को यह डिवाइस दिया गया है। भविष्य में जरूरत के आधार पर डिवाइस की संख्या बढ़ाने की बात भी कही गई है।

भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू

रायपुर। हरियाणा में भारत जोड़ो यात्रा की एंट्री हुई। यहां के फ़िरोज़पुर झिरका अनाज मंडी में छत्तीसगढ़ शासन के लोक निर्माण, गृह एवं पर्यटन मंत्री ताम्रध्वज साहू शामिल हुए और राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी के साथ पदयात्रा में पैदल चलते नजर आए। इस यात्रा में आज उनके साथ छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा, राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला और अन्य वरिष्ठ कांग्रेस जन भी पैदल यात्रा में शामिल हुए। इस दौरान राहुल गांधी ने महिलाओं और बच्चों से मुलाकात कर हालचाल जाना। वहीं यात्रा को देखने के लिए लोग घरों की छतों पर चढ़े। धुंध के बीच राहुल गांधी की यात्रा आगे बढ़ रही है।

आस्था नहीं बल्कि सवालों से मिलते हैं सही जवाब

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सातवीं कक्षा की एक छात्रा अन्विका गुप्ता ने विलक्षण वैज्ञानिक गुण का परिचय दिया है. राजातालाब स्थित बीपी पुजारी सरकारी स्कूल की इस छात्रा को पता चला कि उनके स्कूल की एक सहायिका तालाब में नहाकर ठीक हो गई. सहायिका को चर्मरोग था. छात्रा ने सुन रखा था कि सल्फर युक्त पानी से कुछ चर्मरोग ठीक हो जाते हैं. उसने तप्तपानी स्रोतों के बारे में भी सुना था, जहां चर्मरोगी नहाने जाते हैं. पहले तो बच्चों के बीच ही उसने अपने विचार को रखा और फिर स्कूल के टीचर्स से भी इसकी चर्चा की. मन में सवाल उठ चुका था और छात्रा ने जिद पकड़ ली थी कि वह अपने अंदाजे की पुष्टि करके रहेगी. उक्त सहायिका ने शहर के कंकाली तालाब में स्नान किया था. चर्मरोग से पीड़ित अनेक लोग यहां आते हैं. मान्यता है कि यहां स्नान करने वाले लोगों के चर्मरोग कंकाली माता हर लेती हैं. छात्रा ने कंकाली तालाब के पानी का सैम्पल लिया. इसके साथ ही उसने राजातालाब और बूढ़ा तालाब के पानी का भी सैंपल लिया. पानी के इन नमूनों की जांच उसने शहर के ही एक निजी लैब में करवाई. उसका शक सही निकला. कंकाली तालाब के पानी में सल्फर की मात्रा राजातालाब और बूढ़ा तालाब की तुलना में लगभग दोगुना थी. राजा तालाब में 2.45, बूढ़ातालाब में 3.94 और कंकाली तालाब में 8.1 मिली ग्राम प्रति लीटर की मात्रा में सल्फर पाया गया. दरअसल, विज्ञान सवालों से शुरू होता है. सदियों से लोग सेब को गिरता हुआ देख रहे थे. न्यूटन ने भी देखा पर उसके मन में सवाल उठा. उसने सवाल का हल ढूंढने की कोशिश की और गुरुत्वाकर्षण की खोज हो गई. इसी तरह लोग सालों से तप्तपाणि कुण्डों में डुबकियां लगा रहे हैं. किसी-किसी का चर्मरोग ठीक भी हो रहा है. ऐसे कई स्रोतों का वैज्ञानिक विश्लेषण किया जा चुका है. लगभग सभी स्थानों पर पानी में सल्फर यानी गंधक की मात्रा अधिक मिली है. पर छात्रा ने यह भी सुन रखा था कि गंधक की मात्रा अधिक होने पर तालाब से उसकी गंध उठती है और पानी का तापमान भी अधिक होता है. कंकालीपारा तालाब में ऐसा कुछ भी नहीं था. इसलिए उसने अपने अंदाजे की पुष्टि करने की कोशिश की. उसके पास न तो अपना लैब था और न ही उसे सैम्पल टेस्ट करना आता था. उसने इस कार्य को आउटसोर्स कर दिया. लैब से रिपोर्ट आई और उसे अपना जवाब मिल गया. कंकालीपारा तालाब में डुबकी लगाने से चर्मरोगों से मुक्ति को वैज्ञानिक समर्थन मिल गया. दरअसल, वैज्ञानिक बनने के लिए इसी दृष्टिकोण की आवश्यकता है. जो लोग विज्ञान में पीएचडी करने के बाद भी आस्था और अंधविश्वास में खोए रहते हैं, उनसे इस तरह के सवालों की उम्मीद नहीं की जा सकती. उनके लिए शोध भी उच्च शिक्षा का ही एक एक्सटेंशन मात्र है.

संपादकीय

क्रिप्टो पर शक

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने फिर चेताया है कि अगला आर्थिक संकट क्रिप्टोकरेंसी की वजह से पैदा होगा। हालांकि, यह आशंका नई नहीं है। शक्तिकांत दास हमेशा से ही क्रिप्टोकरेंसी के मुखर विरोधी रहे हैं। अनेक मौकों पर उन्होंने इशारा किया है कि भारत की वित्तीय स्थिरता के लिए डिजिटल मुद्रा संकट पैदा कर सकती है। यही कारण है कि भारत में केंद्रीय बैंक ने क्रिप्टो क्षेत्र के अनुकूल माहौल नहीं बनाया है। क्रिप्टो के प्रति सख्त रुख की वजह से इसका विस्तार भारत में ज्यादा तेजी के साथ नहीं हो सका है। दुनिया के अनेक देशों में क्रिप्टो पर लोगों का विश्वास नहीं जमा है और उस पर निवेश करने वालों की संख्या भी कम है। इसमें खास बात यह है कि जब केंद्रीय बैंक ने एक आधिकारिक डिजिटल मुद्रा की ओर कदम बढ़ाया है, तब भी शक्तिकांत दास के विचार में बदलाव नहीं आया है। 'बीएफएसआई इनसाइट समिट 2022' में बोलते हुए उन्होंने कहा है कि क्रिप्टोकरेंसी का कोई अंतर्निहित मूल्य नहीं है और यह भारत की वित्तीय स्थिरता के लिए भारी जोखिम पैदा करता है। वाकई, किसी भी वस्तु या मुद्रा का मूल्य तय करने का काम बाजार करता है और एक हाथ से दूसरे हाथ में जाते हुए मूल्य का स्पष्ट होना जरूरी है। यह अभी सवाल है कि क्रिप्टो का मूल्य क्या है और वह कैसे तय होगा? लोग धन खर्च करके क्रिप्टो खरीदते हैं और क्रिप्टो की कीमत पिछले वर्ष में बहुत बढ़ी है, लेकिन क्या यह बढ़त जारी रहेगी? क्या विश्व स्तर पर गैर-मान्यता प्राप्त इस मुद्रा का संभावित मूल्य बना रहेगा? यह मुद्रा डूबी, तो कौन देश या कौन सा केंद्रीय बैंक इसकी जिम्मेदारी लेगा? अगर क्रिप्टो एक उत्पाद है, तो उसे बनाने वाली कंपनी क्या इसे किसी दिन वापस ले सकती है या क्या वह कंपनी बंद हो सकती है? कंपनी बंद हुई, तब क्या होगा? आरबीआई गवर्नर इसे 100 प्रतिशत सट्टा गतिविधि मानते हैं, तो कोई आश्चर्य नहीं। उन्होंने क्रिप्टोकरेंसी के एक दिग्गज खिलाड़ी एफटीएक्स का हवाला दिया है। ध्यान रहे, हाल ही में क्रिप्टोकरेंसी का एक एक्सचेंज एफटीएक्स तबाह हुआ है। एक झटके से निवेशकों के चालीस अरब डॉलर का सफाया हो गया है। एफटीएक्स के 30 वर्षीय मालिक सेमुअल बैंकमैन फ्राइड पर अरबों डॉलर की चोरी का आरोप लगा है। अमेरिका इसे अपने इतिहास की सबसे बड़ी वित्तीय धोखाधड़ी में से एक मान रहा है। सेमुअल को गिरफ्तार कर लिया गया है और बहामास से अमेरिका लाया जाना है। इस प्रकरण का उदाहरण देते हुए शक्तिकांत दास ने कहा है कि एफटीएक्स प्रकरण के बाद मुझे नहीं लगता कि हमें कुछ और कहने की जरूरत है। यह सवाल अभी भी बरकरार है कि क्रिप्टोकरेंसी से क्या सार्वजनिक फायदा होता है? तो क्या इन मुद्राओं को प्रतिबंधित कर देना चाहिए? इन मुद्राओं से खतरा है, तो रिजर्व बैंक भी क्यों ऐसी ही मुद्रा के विस्तार की ओर बढ़ रहा है? वस्तुस्थिति यह है कि सरकार ने क्रिप्टो को मान्यता तो नहीं दी है, लेकिन इस पर वह 30 प्रतिशत विशेष कर और जीएसटी अलग से वसूलती है। अगर ज्यादा जोखिम है, तो क्रिप्टो को अनियमित ढंग से भी क्यों चलने दिया जाए? इसके अलावा भारत में जिस ई-रुपये की शुरुआत हुई है, उसे वैध व तार्किक ढंग से चलाना होगा। क्रिप्टो से यह डिजिटल मुद्रा अलग और फायदेमंद रहे, किसी निवेशक को नुकसान न हो, पूरे विश्वास के साथ इससे लेन-देन हो, तो हमारा रिजर्व बैंक एक मिसाल पेश कर पाएगा।

> “ दुनिया के अनेक देशों में क्रिप्टो पर लोगों का विश्वास नहीं जमा है और उस पर निवेश करने वालों की संख्या भी कम है। इसमें खास बात यह है कि जब केंद्रीय बैंक ने एक आधिकारिक डिजिटल मुद्रा की ओर कदम बढ़ाया है, तब भी शक्तिकांत दास के विचार में बदलाव नहीं आया है।

हर लिहाज से यादगार

जिस टूर्नामेंट की शुरुआत बेहद निम्न आशाओं के साथ हुई, उसका दोषमुक्त ढंग से आगे बढ़ना, अनेक रोमांचक मुकाबलों का गवाह बनना और अभूतपूर्व परिणति के साथ इतिहास का हिस्सा बनना आसान नहीं था। फीफा वर्ल्ड कप के रविवार को हुए फाइनल मैच को उचित ही आज मौजूद पीढ़ियों की याददाश्त का सबसे बेहतरीन फाइनल मुकाबला बताया गया है। बेशक ये मैच फुटबॉल प्रेमियों को ताउम्र याद रहेगा। दुनिया में बहुत से लोगों को इस बात का संतोष हुआ है कि फुटबॉल इतिहास के बसे महान खिलाड़ियों से एक लियोनेल मेसी के गौरवशाली करियर में अब यह कमी मौजूद नहीं है कि वे कभी वर्ल्ड चैंपियन नहीं बने। इस मैच अर्जेंटीना को विजयी बनाने में उनके योगदान को पीढ़ियां याद रखेंगी। उसी तरह पीढ़ियां यह भी याद रखेंगी कि इस मंजिल तक पहुंचना उनके लिए आखिरी क्षण तो आसान नहीं रहा। बल्कि अंतिम पल तक लोग दिल की बढ़ी धड़कनों के साथ मैच के नतीजे पर नजर टिकाए रहे। बेशक मैच के पहले तकरीबन 70-75 मिनट तक अर्जेंटीना का पलड़ा ए भारी रहा, लेकिन खिताब बचाने के लिए मैदान में उतरी फ्रांस की टीम उसके बाद कहानी पलट दी। फिर जिस तरह उतार-चढ़ाव होता रहा, उसने रोमांच और उत्तेजना का ऐसा अहसास दिया, जो अब लोगों की स्मृति का हिस्सा बन गया है। वैसे यह ही अब ऐसी ही स्मृति का हिस्सा बन चुका है। जिस आयोजन की शुरुआत बेहद निम्न आशाओं के साथ हुई, उसका दोषमुक्त ढंग से आगे बढ़ना, अनेक रोमांचक मुकाबलों का गवाह बनना और अभूतपूर्व परिणति के साथ इतिहास का हिस्सा बनना आसान नहीं था। कतर में मानव अधिकारों की कथित खराब स्थिति और यूक्रेन युद्ध से दुनिया में जारी तनाव के माहौल में यह अपेक्षा नहीं था कि यह विश्व कप इस हद तक लोगों का ध्यान खुद पर टिका लेगा। लेकिन ऐसा ही हुआ है। टूर्नामेंट को दौरान कई हैरतअंगेज बातें देखने को मिलीं। क्या करिश्माई बात नहीं है कि जो टीम आखिरकार चैंपियन बनी, उसने शुरुआत कमजोर समझी जाने वाली सऊदी अरब टीम से हारते हुए की थी! और मोरक्को का स्वप्निल प्रदर्शन एक ऐसी गाथा बना, जिसने सारे अफ्रीका को कल्पनाओं को एक अकल्पनीय ऊंचाई तक पहुंचा दिया। आखिरकार विश्व कप यह संदेश दे गया कि फुटबॉल की दुनिया में स्थायी वर्चस्व का खात्मा हो गया है। अब हर विश्व कप टूर्नामेंट में नई कहानियां लिखी जाएंगी।

नीतीश से लड़ना बहुत मुश्किल है

भारतीय जनता पार्टी और प्रशांत किशोर के लिए नीतीश कुमार से लड़ना बहुत मुश्किल है। उनके महागठबंधन में रहते उसको हराना भी बहुत मुश्किल है। लोकसभा चुनाव में तो नीतीश कुमार बनाम नरेंद्र मोदी के चेहरे पर भाजपा लड़ाई में रह भी सकती है लेकिन विधानसभा चुनाव में वह नीतीश कुमार का मुकाबला नहीं कर पाएगी। इसका कारण यह है कि नीतीश अपनी जाति के नेता तो है, साथ ही सभी जातियों का कुछ वोट उनके पास है। यहां तक कि भाजपा के साथ रहते हुए भी उनको मुस्लिम वोट मिलता रहा है। बिहार के सवर्ण भी उनको अपना नेता मानते हैं तो अति पिछड़ी जातियां उनमें अपना मसीहा देखती हैं। खास कर सबसे कमजोर और वंचित जातियां। इसके अलावा हर जाति व समाज की महिलाएं उनके लिए वोट करती हैं। नीतीश ने ही सबसे पहले एक अलग वोट बैंक के तौर पर महिलाओं की पहचान की थी और उनके लिए अलग एजेंडे पर काम किया था। इस तरह जातियों में बंटे बिहार में नीतीश एकमात्र नेता हैं, जिनको हर जाति का कुछ न कुछ समर्थन है। हालांकि यह समर्थन उनको चुनाव नहीं जीता सकता है लेकिन यह भी सही है कि उनको बगैर कोई भी चुनाव नहीं जीत सकता है। भाजपा को यह भी चिंता है कि नीतीश का चेहरा एक ढाल है, बफर की तरह है। उनके होते बिहार सरकार पर जंगल राज का आरोप नहीं लग सकता है। खुद भाजपा ने ही उनका चेहरा जंगल राज की एंटी थीसिस के तौर पर स्थापित किया।

> “ छत्तीसगढ़ सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं से सभी वर्गों के जीवन स्तर में आर्थिक, सामाजिक बदलाव लाया जा रहा है। जल संरक्षण, पशु संवर्धन, मृदा स्वास्थ्य और पोषण प्रबंधन को आमजन की सहभागिता से सफल बनाने के लिए सुराजी गांव योजना 2 अक्टूबर 2019 से शुरू की गई है।

शगुफ्ता शीरीन रायपुर छत्तीसगढ़

ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हो रही नरवा, गरवा, घुरवा, बारी योजना

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार के 4 साल पूरे हो चुकें हैं। इन चार सालों के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सपनों को पूरा करने का संकल्प मुख्यमंत्री ने लिया और इसका क्रियान्वयन करने ऐसी अनेक जनहितकारी योजनाएं बनाई गई जिससे किसानों, महिलाओ और युवाओं को जोड़ा गया। राज्य में चल रही अनेक योजनाओं के क्रियान्वयन का बीड़ा तो महिलाओं द्वारा संचालित स्वसहायता समूहों ने उठाया है और वो बड़े ही संगठित रूप से कार्य कर अपनी ज़िम्मेदारी निभा रही है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए गौठानों में वर्मी कम्पोस्ट के उत्पादन के साथ-साथ अन्य आर्थिक गतिविधियां प्रारंभ की गई। गौठानों में ग्रामीण औद्योगिक पार्क बनाए जा रहे इन सभी गतिविधियों में गांवों के महिला समूह और युवाओं को जोड़ा जा रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने रक्षा बंधन के दिन महिला समूहों के ऋणों को माफ करने की घोषणा की। इन सब कार्यो से 4 सालों के कार्यकाल के दौरान कृषि स्वास्थ्य, उद्योग, महिला सशक्तिकरण, ऊर्जा वन अधिकार सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किये जा रहे है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत बनाने की पहल से महिलाओं और युवाओं को उनके ग्रामों के आसपास ही रोज़गार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। इससे बाहरी राज्यो में जाकर रोजगार तलाशने की समस्या से भी निजात खेतिहर श्रमिकों को मिली है।

छत्तीसगढ़ सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं से सभी वर्गों के जीवन स्तर में आर्थिक, सामाजिक बदलाव लाया जा रहा है। जल संरक्षण, पशु संवर्धन, मृदा स्वास्थ्य और पोषण प्रबंधन को आमजन की सहभागिता से सफल बनाने के लिए सुराजी गांव योजना 2 अक्टूबर 2019 से शुरू की गई है। इस योजना के तहत नरवा (बरसाती नाले), गरवा (पशुधन), घुरवा (कम्पोस्ट खाद निर्माण) और बाड़ी (सब्जी और फलोद्यान) के संरक्षण एवं संवर्धन का अभियान प्रारंभ किया गया है।

सरकार की ऐसे ही फ्लैगशिप योजनाओं में शामिल है, सुराजी गाव योजना। किसानों को चारागाह के लिए भूमि उपलब्ध कराई जा रही है, नालों का निर्माण कर सिंचाई और निस्तारी जल की सुविधा दी जा रही है। मवेशियों को रखने और चारे का बंदोबस्त किया जा रहा है साथ ही बाड़ी में सब्जी लगा कर जैविक कृषि की ओर उन्हें अग्रसर किया जा रहा है। इस योजना से खुले में पशुओं की चराई प्रथा पर रोक लगी है। सिंचित क्षेत्रों में किसान दोहरी फसल लेने लगे हैं। खेती किसानी में वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग से रासायनिक खादों के उपयोग से होने वाले हानिकारक तत्वों से मुक्ति मिल रही है। खेत भी वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग से उपजाऊ बनते जा रहे है।

नरवा कार्यक्रम- राज्य के लगभग 29000 बरसाती नालों को चिन्हित कर इस कार्यक्रम के तहत उनका ट्रीटमेंट कराया जा रहा है। इससे वर्षाजल का संरक्षण होने के साथ-साथ संबंधित क्षेत्रों का भू-जलस्तर सुधर रहा है। प्रदेश में नरवा बनाने का कार्य भी द्रुतगति से चल रहा है। इन नालों के जरिए ग्रामीणों को कृषि के लिए सिंचाई का पानी मिल रहा, मवेशियों को पीने के पानी की समस्या से निजात मिल रही साथ ही गर्मी के दिनों में भी ग्रामीणों को निस्तारी के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही वन्य प्राणियों के लिए भी गर्मी के दिनों में पेयजल की किल्लत नहीं होती और उनके लिए हर वक्त पानी मिल रहा है।

गरवा कार्यक्रम- इस कार्यक्रम के तहत पशुधन के संरक्षण और संवर्धन के लिए गांवों में गौठान बनाकर वहा पशुओं को रखने की व्यवस्था की गई हैं। प्रदेश में करीब 11,288 गौठान स्वीकृत हुए है, अब तक 9631 गौठान बन गए है। जिनमे से 4372 गौठान पूरी तरह से स्वावलंबी है। गौठानों में पशुओं के लिए डे-केयर की व्यवस्था है। इसके तहत चारे और पानी का नि:शुल्क प्रबंध किया गया है। इससे मवेशियों को चारे के लिये भी भटकना नही पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने किसानों को पैरा दान करने की अपील की इसका असर यह हुआ कि किसान स्वमेव आगे आये और इन गौठानों में 4 लाख 513 हज़ार क्विंटल से अधिक का पैरा दान किया गया है।

घुरवा कार्यक्रम- इसके माध्यम से जैविक खाद का उत्पादन कर इसके उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। फिलहाल इन गौठान में 20 लाख क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट, साढ़े 5 लाख क्विंटल सुपर कम्पोस्ट तथा 19 लाख क्विंटल सुपर कम्पोस्ट प्लस का निर्माण किया गया है। घुरवा के लिये 92 हजार पक्के टांके स्वीकृत किये गए हैं इनमें, 81 हज़ार टांके बनकर तैयार है। वहीं 16 लाख क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट बिक्री सहकारी समीतियों के माध्यम से की जा चुकी है।

बारी कार्यक्रम- छत्तीसगढ़ में बाड़ी को बारी कहा जाता है। ग्रामीणों के घरों से लगी भूमि में 3 लाख से अधिक व्यक्तिगत बाडियों को विकसित किया गया है। साथ ही गौठनो में बनाई गई करीब 4429 सामुदायिक बाड़ियों के जरिये फल साग-सब्जियों के उत्पादन से कृषकों को आमदनी के साथ-साथ पोषण सुरक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। इस योजना के जरिये ग्रामों और बसाहटों में बाड़ियों को विकसित कर लोगों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने प्रोत्साहित किया जा रहा है।

न्याय योजना: खेती किसानी को मजबूत बनाने के लिए किसानों को इनपुट सब्सिडी देने के लिए चलाई जा रही राजीव गांधी किसान न्याय योजना से किसानों के मनोबल में वृद्धि हुई है इससे लगातार खेती किसानी का रकबा बढ़ता चला जा रहा है। किसानों को साहूकारों के उचे ब्याज दर पर ऋण लेने से मुक्ति मिली है। इस योजना के तहत खरीफ और उद्यानिकी फसलों के उत्पादक किसानों को प्रति एकड़ की दर से इनपुट सब्सिडी दी जाती है। धान के बदले दूसरी फसल लगाने या वृक्षारोपण करने पर 10 हजार रुपए इनपुट सब्सिडी दी जाती है। अब तक राज्य में 22 लाख किसानों को 16 हजार 401 करोड़ 45 लाख रुपए इनपुट सब्सिडी दी गई है।

गोधन न्याय योजना में गोबर बेचकर किसानों को अतिरिक्त आमदनी मिल रही है। 20 जुलाई 2020 को हरेली पर्व के दिन गोधन न्याय शुरू की गई है। योजना के तहत दो रुपए किलो में गोबर खरीदी और 4 रूप लीटर की दर पर गोमूत्र की खरीदी की जा रही है। इस योजना के तहत ग्रामीणों और गोबर संग्राहकों को और गौठान समितियो के समूहों को 169.41 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है।

शुरू होने के साथ ही गोधन न्याय योजना काफी लोकप्रिय हुई है। अब इसकी चर्चा देश-दुनिया में होने लगी है और देश के अन्य राज्य इसे अपने यहां लागू करने जा रहे है। गांवों में गौठानों का और निर्माण होने से पशुधन को नि:शुल्क चारा-पानी का प्रबंध सुनिश्चित हुआ है। इससे स्वच्छता के साथ ही पर्यावरण संरक्षण, दोहरी फसलों के रकबे में वृद्धि, कम्पोस्ट उत्पादन से खेती की लागत में कमी और जैविक खेती को बढ़ावा मिला है। गौठानों में महिला समूहों द्वारा गोधन न्याय योजना के तहत क्रय गोबर से बड़े पैमाने पर वर्मी कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट और अन्य उत्पाद तैयार किया जा रहा है। महिला समूह गोबर से खाद के अलावा गो-कास्ट, दीया, अगरबत्ती, मूर्तियां और अन्य सामग्री का निर्माण एवं विक्रय कर लाभ अर्जित कर रही हैं। गौठानों में क्रय गोबर से विद्युत उत्पादन, की शुरुआत की जा चुकी है। गोबर से बिजली और प्राकृतिक पेंट बनाए जा रहे है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हाल ही 300 ग्रामीण औद्योगिक पार्क की शुरुआत की है। जिसके तहत आजीविका गुड़ी गौठनो में बनाई जाएगी। ग्रामीण युवा उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए नई तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा । इस तरह ये गौठान ग्रामीण अर्थवयवस्था को ज्यादा सशक्त बना कर रोजगार उपलब्ध कराने वाले केंद्र बनेंगे।

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में चार सालों के दौरान किसानों, महिलाओ और निम्न आय वर्ग के हित में चलाई जा रही योजनाओं का ज़िक्र देश दुनिया में हो रहा है। लोगों को आर्थिक स्वावलंबी बनाने वाले विकास के छत्तीसगढ़ मॉडल को अपनाने में अन्य राज्य दिलचस्पी दिखा रहे है। यह इस बात का प्रतीक है कि चार सालों में छत्तीसगढ़ ने सफलता के कई सोपान तय किए है और आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा।

चुनौतियों का दोराहा

किसी चुनौती में पीड़ा आत्म-सम्मान की कमतर भावना से आती है। वह कहां है? दिमाग में है। मैं बेकार हूं या बहुत बूढ़ा हो गया हूं, अब मुझे कोई काम पर नहीं रखेगा, ऐसे विचार इसी की उपज हैं।

बेरोजगारी इस दौर की एक बड़ी चुनौती है। वैसे, चुनौतियां अच्छी होती हैं और सशक्त भी- वे आपको जागरूक भी कर सकती हैं या बेसुध भी और गहरी पीड़ा में भी खींच सकती हैं। हमारे जीवन में जो भी चुनौतियां आती हैं, वे इन दोनों में से किसी तरफ हमें ले जा सकती हैं। ये बहुत मददगार भी हैं। मैं तो अपने जीवन में आने वाली चुनौतियों का बहुत आभारी हूं। वे न होतीं, तो मैं आज इस मुकाम पर नहीं होता, बल्कि आप में से बहुत लोगों का यही अनुभव होगा। अपने वयस्क जीवन के एक बड़े कालखंड में मैं बेरोजगार रहा। यहां तक कि जिंदगी के तीसरे दशक के कई वर्ष मैंने गरीबी-रेखा के नीचे गुजारे। उसी समय मैंने अखबार में एक आलेख पढ़ा, जिसमें आय के विभिन्न स्तरों का उल्लेख किया गया था और एक सीमा से नीचे कमाने वालों को गरीबी-रेखा से नीचे आंका गया था। मैंने सोचा, 'मैं तो इस रेखा के बहुत नीचे हूं।' मगर मुझे पता न था कि मैं 'गरीब' हूं। तब मुझे एहसास हुआ कि ऐसी अनेक चीजें हैं, जिनको मैं खरीद नहीं सकता। यह एहसास वर्षों तक मेरे साथ रहा। दरअसल, हमारे जीवन में ऐसी कई व्यावहारिक चीजें हैं, जिनको समायोजित करने या जिनसे निपटने की आवश्यकता पड़ती है। इसलिए नई स्थिति के साथ तालमेल बिठाने के लिए कुछ कदम तो उठाने ही पड़ते हैं।

दरअसल, किसी चुनौती में पीड़ा आत्म-सम्मान की कमतर भावना से आती है। वह कहां है? वह दिमाग में है। 'मैं बेकार हूं', या 'मैं बहुत बूढ़ा हो गया हूं, अब मुझे कोई काम पर नहीं रखेगा' या 'मुझे बेहतर शिक्षा हासिल करनी चाहिए थी', ये विचार आत्म-सम्मान की कमी से पैदा होते हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि आपका आत्म-सम्मान पहले के आपके कार्य का हासिल था। यह सामान्य बात है। दिमाग में पैदा विचारों से आप आत्म-सम्मान की भावना प्राप्त करते हैं। आपको दूसरों से कुछ ऐसी प्रतिक्रियाएं मिली होंगी, जिन्होंने बताया होगा कि आप उपयोगी हैं। हम सब अपने और दूसरों के विचारों से ही अपने बारे में भावना का निर्माण करते हैं।

जब आप अपनी नौकरी गंवा देते हैं, तब आपकी यह छवि क्षतिग्रस्त होती है और यही आपको पीड़ा में ले जाती है। ऐसे में, आप इस चुनौती का उपयोग यह देखने के लिए करें कि क्या आप कुछ पा सकते हैं? आपके गहरे भीतर कुछ ऐसा है, जिसको अपने बारे में सोचने से प्राप्त किया जा सकता है। वहां आपको आगे का रास्ता दिखेगा। पुरानी मानसिक छवियों से जब आप चिपके नहीं रहेंगे, तब नई नौकरी या नए काम में बहुत अच्छा कर सकेंगे। याद रखिए, हरेक चुनौती को उस आग की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है, जो बेसुधी को जला देती है।

एक्हार्ट टल्ल/ जर्मन उपदेशक

पुरानी पेंशन योजना: समस्या नई नहीं विवाद है पुराना

प्रो. लल्लन प्रसाद

वर्षो से चली आ रही पुरानी पेंशन योजना, जो 2004 में अटल बिहारी बाजपेई की सरकार द्वारा बंद कर दी गई थी और उसकी जगह नई पेंशन योजना शुरू की गई थी, सुर्खियों में है। विपक्षी पार्टियां इसे चुनावी मुद्दा बना रही हैं। पुरानी योजना के अंतर्गत सरकारी कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद एक निश्चित पेंशन देने की व्यवस्था थी जो उनके वेतन पर आधारित है। कर्मचारी आखिरी वेतन का आधा पेंशन के रूप में लेने के हकदार होते हैं। महंगाई भत्ते में समय-समय पर वृद्धि का लाभ भी पेंशनधारियों को मिलता है। पेंशनधारी की मृत्यु पर उसके परिजन को भी पेंशन मिलती है। कर्मचारी को पेंशन के लिए सेवा की अवधि में कोई कंट्रीब्यूशन नहीं करना पड़ता। पेंशन का सारा खर्च सरकार उठाती है। पेंशन के अतिरिक्त मेडिकल भत्ता और बिलों की रिइंबर्समेंट के प्रावधान भी हैं। सेवानिवृत्त होने पर कर्मचारी को 20 लाख तक की ग्रेच्युटी भी मिलती है। कर्मचारियों के लिए यह सबसे भरोसेमंद और सुरक्षित योजना रही है। योजना को बंद करने के निर्णय के पीछे सरकार के राजस्व पर बढ़ता बोझ है।

नई पेंशन योजना (एनपीएस) जनवरी, 2004 से शुरू की गई। इसका संचालन पेंशन निधि विनायक एवं विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाता है। कर्मचारी की आयु 60 वर्ष पूरे हो जाने के पश्चात उसे पेंशन दी जाती है। 18 से 70 वर्ष के आयु के नागरिकों के लिए यह उपलब्ध है। योजना बाजार संचालित रिटर्न पर आधारित है। पेंशन ग्राहक अपनी बचत को गैर-निकासी योग्य खाते में जमा करता है। कम से कम रुपये 500 से यह खाता खोला जा सकता है। खाते में जमा राशि निवेश की जाती है। सब्सक्राइबर के लिए तीन विकल्प होते हैं। उच्च जोखिम उच्च रिटर्न मुख्य रूप से इक्विटी मार्केट में निवेश, मध्यम जोखिम मध्यम रिटर्न, सरकारी प्रतिभूतियों के अलावा अन्य ऋण प्रतिभूतियों में निवेश, एवं कम जोखिम कम रिटर्न सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश। सभी चयनित परिसंपत्ति में खाताधारक का योगदान हंड्रेड परसेंट होता है। जितना योगदान कर्मचारी करेगा उतना ही उसे लाभ मिलेगा। खाते से संचित राशि निकालने की कोई सीमा नहीं होती, नामांकन की सुविधा भी होती है। निश्चित पेंशन की गारंटी इस योजना में नहीं होती। निवेश पर आयकर की धारा 80 सीसीडी के अंतर्गत डेढ़ लाख रु पये तक का टैक्स रिबेट मिलता है। इस योजना के अलावा अटल पेंशन योजना भी है जो मई, 2015 में शुरू की गई थी, इसमें है 1000 से लेकर 5000 रुपये महीने की गारंटीड पेंशन जो 60 साल के बाद पेंशनधारक द्वारा जमा की हुई रकम के आधार पर मिलती है। निजी क्षेत्र के कर्मचारी भी इसका लाभ उठा सकते हैं। इनकम टैक्स में निवेश पर छूट भी ऊपर की योजना जैसी मिलती है। इन दोनों योजनाओं में सरकार की ओर से कोई कंट्रीब्यूशन नहीं होता। मार्च, 2022 में नई पेंशन योजना में 22 .48 लाख एवं राज्यों में 55.77 लाख सब्सक्राइबर थे।

सरकारी पेंशन योजनाओं के अतिरिक्त बीमा कंपनियों द्वारा भी पेंशन योजनाएं चलाई जाती हैं। ऐसी एक वरिष्ठ बीमा योजना एलआईसी के माध्यम से प्रशासित है, जो एकमुश्त राशि के भुगतान पर पॉलिसी होल्डर को प्रति वर्ष 9प्रतिशत (मासिक आधार पर देय) की गारंटीकृत दर पर पेंशन देती है। योजना का आरंभ 14 अगस्त, 2014 को हुआ था। एलआईसी द्वारा सृजित रिटर्न के बीच अगर कोई अंतर होता है, तो भारत सरकार द्वारा योजना में सब्सिडी से इसकी भरपाई की जाती है। एलआईसी की एक योजना जीवन अक्षय भी है, जिसमें एकमुश्त रकम जमा करके पेंशन प्राप्त की जा सकती है। एसबीआई द्वारा सरल रिटायरमेंट सेवर योजना चलाई जाती है। निजी क्षेत्र की बड़ी कंपनियां: आईसीआईसीआई, एचडीएफसी, मैक्स, बजाज अलायंस, एबीएसएलआई, कोटक आदि भी पेंशन योजनाएं चलाती हैं।

देश की आबादी 140 करोड़ है, सरकारी पेंशन पाने वालों की संख्या लगभग 2 करोड़ है: डेढ़ करोड़ राज्यों में और 48 लाख केंद्र सरकार के अंतर्गत। अप्रैल, 2004 के पहले के कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना में हैं। उसके बाद जिन्होंने सरकारी सेवाएं ज्वाइन की हैं, वे नई पेंशन योजना के अंतर्गत हैं। राजस्थान, झारखंड और छत्तीसगढ़ में पुरानी पेंशन योजना फिर से लागू कर दी गई है, पंजाब और दिल्ली में भी योजना लागू होने जा रही है। पेंशन भुगतान पर पिछले 5 वर्षों में राज्यों के बजट में 48 प्रतिशत की वृद्धि हुई, 2021-22 में सभी राज्यों का पेंशन पर खर्च 406867 करोड़ रु पये था जबकि राजस्व 1594665 करोड़ रुपये। कर्ज में डूबे 10 बड़े राज्यों : बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, केरल, पंजाब, पश्चिम बंगाल और राजस्थान में राजस्व का 12.5 प्रतिशत पेंशन पर खर्च हो रहा है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, कंट्रोलर एवं ऑडिटर जनरल और मोंटेक सिंह अहलूवालिया सहित अनेक अर्थशास्त्रियों ने पेंशन पर बढ़ते खर्च पर चिंता व्यक्त की है। पुरानी पेंशन योजना यदि फिर से लागू कर दी जाए तो आने वाली पीढ़ी के ऊपर इसका बोझ तेजी से बढ़ेगा। इसे चुनाव जीतने के लालच में रेवड़ी बांटने की संज्ञा दी जा रही है, जो राज्यों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए नकारा नहीं जा सकता।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:- 9827806026, 7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

विधायक देवेंद्र की पहल से खुर्सीपार और छावनी क्षेत्र की सड़कें होगी धूल मुक्त

4 करोड़ की लागत से सड़क का किया जाएगा डामरीकरण और पाथवे निर्माण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर को धूल मुक्त बनाने की योजना बनाई गई है। इसके तरह शहर को धूल मुक्त बनाने की शुरूआत छावनी से की जाएगी। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने इसकी पूरी प्लानिंग कर ली गई है। करीब 3 करोड़ की लागत से छावनी क्षेत्र की सड़क को पहले धूल मुक्त किया जाएगा।

- छावनी चौक से हथखोज पुलिया तक सड़क का किया जाएगा डामरीकरण
- खुर्सीपार में एमपीआर रोड का 1 करोड़ की लागत से किया जाएगा डामरीकरण
- धूल ना उड़े इसके लिए पाथवे का निर्माण कर, सड़क किनारे को रहेंगे साफ, हटाई जाएगी मिट्‌टी, पौधे भी लगाएंगे

इसके बाद एमपी रोड खुर्सीपार की सड़क को भी धूल मुक्त बनाने के लिए डामरीकरण करने के साथ ही पाथवे निर्माण भी किया जाएगा। इसमें करीब 1 करोड़ रुपए खर्च होंगे। गौरतलब है कि भिलाई नगर विधायक लगातार लोगों से मिलते है। लोगों का हालचाल जानने और समस्याओं को समझ कर दूर करने के लिए लगातार मुलाकात करते रहते है। इसी कड़ी में भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने पहल की और दोनों सड़कों को बनाने का प्रयास किया। छावनी इंडस्ट्रीज एरिया है। यह शहर का सबसे धूल वाला एरिया है। यहां दिन भर हजारों ट्रक व मालवाहक चलते रहती है। इसलिए शहर को धूल मुक्त बनाने की शुरूआत इसी क्षेत्र की जा रही है। इसी के साथ ही खुर्सीपार क्षेत्र में भी एमपी रोड का डामरीकरण किया जाएगा। इसमें करीब 1 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके लिए करीब 3 करोड़ की लागत से टेंडर किया गया है। 1 करोड़ 96 लाख की लागत से छावनी चौक से हथखोज पुल तक मेन रोड का जीर्णोंधार किया जाएगा। इस पूरे रोड को डामरीकरण करेंगे। इसके बाद रोड के दोनों ओर धूप को साफ करके पाथवे का निर्माण करेंगे। हैवी कान्ट्रेक्ट वाला पाथवे का निर्माण किया जाएगा। ताकि यहां जब गाड़ियां चले तो धूल ना उड़े। आसपास पौधे भी लगाए जाएंगे और रोड व पाथवे के आसपास से मिट्?टी को हटाकर पूरी तरह से साफकिया जाएगा। इसके लिए करीब 1 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया किया जा रही है। जल्द ही यह प्रक्रिया पूरी कर काम शुरू किया जाएगा। छावनी इंडस्ट्रीड एरिया है। सड़क खराब हो गई है और रोड किनारे मिट्?टी है। कभी पाथवे नहीं बनाया गया है। दिन भर यहां हैवी वाहन चलती है, जिससे धूल उड़ते रहता है। इसे रोकने के लिए निगम एक बेहतर पहल कर रही है।

सरकार प्राथमिकता से करा रही है सड़कों का निर्माण

गांवों में पक्की सड़क बनने से लोगों को मिल रहा लाभ, आवागमन हुआ सुगम

- 30 करोड़ 89 लाख 93 हजार रूपए की लागत से किया गया सड़क डामरीकरण तथा नवीनीकरण कार्य
- मुख्यमंत्री सुगम सड़क योजना के अंतर्गत 5 करोड़ 68 लाख 93 हजार रूपए की लागत से किया गया सड़क निर्माण

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव । दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक सड़क निर्माण होने से विविध आयामों में उन्नति एवं संभावनाओं के द्वार खुले हैं। शासन द्वारा आवागमन को सुगम बनाने के लिए सड़क निर्माण, सड़क चौड़ीकरण, नवीनीकरण एवं मरम्मत को प्राथमिकता देते हुए कार्य किया जा रहा है। विभिन्न मार्गों का चौड़ीकरण, नवीन सड़क निर्माण एवं मार्गों का डामर नवीनीकरण कार्य हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है। मार्गों में डामरीकरण कार्य पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों एवं ग्रामवासियों को आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो रही है।

शासन द्वारा विगत 4 वर्षों में राजनांदगांव, डोंगरगांव एवं छुरिया विकासखण्ड के अंतर्गत 64 मार्ग लंबाई 193.49 किलोमीटर के निर्माण एवं नवीनीकरण हेतु 128 करोड़ 18 लाख 91 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई थी। अब तक 30 करोड़ 89 लाख 93 हजार रूपए की लागत से 22.55 किलोमीटर सड़क डामरीकरण, 54.80 किलोमीटर लंबी सड़क का डामर तथा नवीनीकरण कार्य किया गया है।

मुख्यमंत्री सुगम सड़क योजना के अंतर्गत कुल 99 मार्गों के लंबाई 19.77 किलोमीटर हेतु 11 करोड़ 55 लाख 20 हजार रूपए का पहुंच मार्ग के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। जिसमें 5 करोड़ 68 लाख 93 हजार रूपए की लागत से 11.60 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। भवनों के अंतर्गत 26 भवनों के निर्माण हेतु 19 करोड़ 67 लाख 21 हजार रूपए स्वीकृति प्रदान की गई है। 6 करोड़ 80 लाख 20 हजार रूपए की लागत से भवन निर्माण किया गया है।

खास खबर

मनरेगा से जिले की 169 महिलाओं को मिला मातृत्व भत्ता का लाभ

कोरबा। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार के गारंटी योजना में कार्य करने वाली महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान स्वयं एवं उनके नवजात शिशुओं के देखभाल के लिए मातृत्व भत्ता प्रदान किये जा रहे हैं। इसके तहत जिले में 169 महिलाओं को मातृत्व भत्ता का लाभ दिया गया है। गर्भवती-शिशुवती महिलाओं को एक माह की मजदूरी की राशि प्रदाय की गई है। जिससे वह स्वयं और शिशु के बेहतर स्वास्थ्य के लिए उपयोग कर सकेंगी। कलेक्टर संजीव झा के द्वारा जिले में शिक्षा, सुपोषण एवं स्वास्थ्य की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जिले में जहाँ एक ओर स्कूल आश्रमों को विकसित किया जा रहा है और वहीं दूसरी ओर मनरेगा के तहत जिले की गर्भवती महिलाओं को प्रसूति अवधि में बेहतर देखभाल के लिए आर्थिक सहायता दी जा रही है। इसके तहत गर्भवती-शिशुवती महिलाओं को 1 माह की मजदूरी राशि उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की गई है। यह राशि प्राप्त करके लाभान्वित महिलाओं के चेहरे पर मुस्कान आ गई हैं। जिला पंचायत के सीईओ नूतन कुमार कंवर ने बताया कि मातृत्व भत्ता के रूप में जनपद पंचायत करतला अंतर्गत 13 महिलाओं को, जनपद पंचायत कोरबा में 16 महिलाओं को, कटघोरा में 11 महिलाओं को, जनपद पंचायत पाली में 97 महिलाओं को एवं जनपद पंचायत पोडी उपरोडा में 32 महिलाओं को प्रचलित दर के अनुसार 1 माह की मजदूरी राशि उनके खातों में हस्तांतरित की गई है। इसके अतिरिक्त मांग अनुसार 36 महिलाओं को मातृत्व भत्ते की स्वीकृति की प्रक्रिया की जा रही है। उल्लेखनीय है कि महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत कार्यरत गर्भवती महिलाओं को प्रसूति अवधि के दौरान मांग के आधार पर 1 माह की मजदूरी के बराबर की राशि मातृत्व अवकाश भत्ता के रूप में दी जाती है। यह राज्य पोषित योजना है। इस योजना का उद्देश्य प्रसूति अवधि के दौरान जॉब कार्ड धारी महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार तथा स्वस्थ शिशु जन्म के लिए सहायता उपलब्ध कराना है।

मुख्यमंत्री ने बिलाईगढ़ में विभिन्न विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान नवगठित सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के बिलाईगढ़ विधानसभा को 74 करोड़ 38 लाख 49 हजार रुपये की लागत के 47 विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। बिलाईगढ़ रेस्ट हाउस परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने 45 करोड़ 17 लाख 80 हजार रुपये की लागत से निर्मित 26 कार्यों का लोकार्पण, 22 करोड़ 65 लाख 47 हजार रुपये की लागत से 18 कार्यों का भूमिपूजन एवं 6 करोड़ 55 लाख 22 हजार रुपये की लागत से बनने वाले 3 शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कार्यक्रम के दौरान जिन 26 कार्यों का लोकार्पण किये इनमें 12 करोड़ 56 लाख रुपये की लागत से भटगांव आवर्धन जल प्रदाय योजना, 20 लाख रुपये की लागत से वार्ड क्रमांक 15 में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, 01 करोड़ 79 लाख 60 हजार रुपये की लागत से कुल 20 ग्राम में गौठान निर्माण कार्य, 22 लाख 90 हजार रुपये की लागत से कुल 12 ग्राम में नवीन ग्राम पंचायत भवन निर्माण कार्य, 7 करोड़ 8 लाख 83 हजार रुपये की लागत से बिलाईगढ़ के भटगांव सलौनीकला गिरवानी मार्ग लं.6 कि.मी.का उन्नयन एवं नवीनीकरण कार्य शामिल है। इसी तरह 4 करोड़ 78 लाख 91 हजार रुपये की लागत से कोसमकुण्डा से साल्हेबाजा मार्ग लं.2.60 कि.मी.,01 करोड़ 73 लाख 82 हजार रुपये की लागत से मडकडी परसाडीह मार्ग लं.1.50 कि.मी., 2 करोड़ 75 लाख 83 हजार रुपये की लागत से पिकरीपाली से गायदरहा मार्ग लं.1.75 कि.मी., 01 करोड़ 23 लाख 76 हजार रुपये की लागत से 18 नग मुख्यमंत्री सुगम सड़क योजना के कार्य, 75-75 लाख रुपये की लागत से नया भवन प्राथ.स्वा.केन्द्र पवनी एवं नगरदा, 27 लाख 73 हजार रुपये की लागत से नया भवन उप स्वा.केन्द्र पचरी एवं 27 लाख 73 हजार रुपये की लागत से नया भवन उप स्वा.केन्द्र छिर्रा, 9 लाख 68 हजार रुपये की लागत से प्राथ.स्वा.केन्द्र भटगांव में नया 6 बिस्तरीय वार्ड, 28 लाख 51 हजार रुपये की लागत से उप.स्वा.केन्द्र टुण्डरी भवन निर्माण, तीन उप स्वा.केन्द्र धारासीव, बेलादुला एवं बालपुर में नया 6 बिस्तरीय वार्ड के लिए प्रति वार्ड 9 लाख 68 हजार रुपये कुल 29 लाख 4 हजार रुपये, 01 करोड़ 73 लाख रुपये की लागत से सुतीउरकुली व्यपवर्तन योजना का जीर्णोद्धार एवं लाईनिंग कार्य, 01 करोड़ 46 लाख रुपये की लागत से गोविन्दवन जलाशय योजना का जीर्णोद्धार एवं लाईनिंग कार्य, 01 करोड़ 92 लाख रुपये की लागत से खौरझिटी व्यपवर्तन योजना का जीर्णोद्धार एवं लाईनिंग कार्य, 77 लाख रुपये की लागत से बम्हनपुरी जलाशय योजना का जीर्णोद्धार एवं लाईनिंग कार्य, 2 करोड़ 13 लाख रुपये की लागत से पिरदा जलाशय योजना का जीर्णोद्धार एवं लाईनिंग कार्य, 50 लाख 82 हजार रुपये की लागत से पर्री डबरी तालाब सौंदर्यीकरण कार्य एवं 25 लाख 53 हजार रुपये की लागत से नगर पंचायत भटगांव में पौनी पसारी कार्य शामिल है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने जिन 18 कार्यों का भूमिपूजन किये इनमें 11 करोड़ 57 लाख 82 हजार रुपये की लागत से कुल 11 ग्रामों के लिए जल जीवन मिशन अंतर्गत नल-जल प्रदाय योजना, 8 लाख 70 हजार रुपये की लागत से वार्ड क्रमांक 14 समलाई मंदिर के बगल से नाला तक सीसी रोड निर्माण कार्य, 19 लाख 11 हजार रुपये की लागत से वार्ड क्रमांक 15 शुक्रवारी बाजार के समीप गौठान निर्माण कार्य, 5 लाख 74 हजार रुपये की लागत से वार्ड क्रमांक 14 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के समीप सीसी रोड निर्माण कार्य, 3 लाख 86 हजार रुपये की लागत से वार्ड क्रमांक 8 में सीसी रोड निर्माण, 7 लाख 14 हजार रुपये की लागत से वार्ड क्रमांक 8 सांई किराना दुकान से नाला तक सीसी रोड और नाली कवर का निर्माण कार्य, 01 करोड़ 99 लाख 68 हजार रुपये की लागत से दिनेश शर्मा घर से बिलाईगढ़ नाला तक गौरवपथ निर्माण कार्य डिवाईडर स्ट्रीट लाईट सहित, 01 करोड़ 36 लाख रुपये की लागत से कुल 34 ग्रामों के लिए सार्वजनिक शौचालय निर्माण कार्य, 01 करोड़ 53 लाख 36 हजार रुपये की लागत से कुल 71 ग्रामों के लिए मुक्तिधाम निर्माण कार्य, 3 करोड़ 01 लाख 4 हजार रुपये की लागत से 24 ग्रामों में नाली निर्माण कार्य,7 लाख 9 हजार रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण कार्य शासकीय कन्या स्कूल तक वार्ड क्रमांक 2 तथा 23 लाख 58 हजार रुपये की लागत से नरवा विकास कार्य झरनी नाला 3 कि.मी. कार्य शामिल है।

भिलाई निगम ने बकायेदारों से वसूल किए 3 लाख 93 हजार 849 रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कुर्की पर कार्रवाई के लिए भिलाई निगम सख्ती बरत रही है। जिसके तहत बकायेदारों से कुर्की के माध्यम से वसूली का काम किया जा रहा है। खुर्सीपार में कार्रवाई के दौरान औद्योगिक क्षेत्र के 4 बकायेदारों से 3 लाख 93 हजार 849 रुपए टैक्स की वसूली की गई। इसी प्रकार से प्रत्येक जोन क्षेत्र में कुर्की वसूली की कार्रवाई की जा रही है।

निगमायुक्त रोहित व्यास के निर्देश पर इसके लिए दल का गठन कर दिया है तथा शेड्यूल भी जारी किया गया है। शेड्यूल के मुताबिक कुर्की अधिकारी कुर्की वसूली की कार्रवाई कर रहे है। नवंबर से लेकर अलग-अलग दिवस में 23 दिसंबर तक कुर्की वसूली की कार्रवाई होगी। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत स्थित भवन/भूमियों पर बकाया राशि की वसूली के लिए नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 173 के तहत बकायेदारों को नोटिस जारी किया गया था, इसके बाद धारा 174 के तहत दूसरी नोटिस जारी की गई थी इसके बाद भी बकाया राशि जमा नहीं करने वालों को धारा 175 के अधीन कुर्की वारंट जारी किया गया है। ऐसे बकायेदारों पर निगम अब सख्ती की मंशा से कार्रवाई कर रही है।

कुर्की दल में शामिल अधिकारी कुर्की की कार्यवाही के दौरान पर्याप्त मात्रा में सुपुर्दगी नामा पत्रक, कुर्क पत्रक एवं सील, मोहर, स्टेशनरी आदि भी साथ में रख रहे है, कुर्की के दौरान स्पैरो सॉफ्टेक प्राइवेट लिमिटेड ब्रांच भिलाई के कर्मचारी भी अनिवार्य रूप से इस कार्यवाही में मौजूद हो रहे है। गौरतलब है कि निगम ने कुर्की पर कार्रवाई के लिए सूची जारी की थी, इस सूची के मुताबिक बकाया राशि की वसूली कुर्की के माध्यम से की जा रही है, जिसके लिए शेड्यूल के मुताबिक कुर्की दल के अधिकारी कुर्की की कार्यवाही कर रहे है।

राज्य स्तरीय आदिवासी लोक कला महोत्सव-दुर्ग संभाग ने मारी बाजी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शहीद वीरनारायण सिंह स्मृति राज्य स्तरीय आदिवासी लोककला महोत्सव 2022 का आयोजन आज अम्बिकापुर के राजमोहिनी भवन में किया गया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में राज्य के सभी संभागों से चयनित लोक कलाकारों के द्वारा कला का प्रदर्शन किया गया।

दुर्ग संभाग ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए राज्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। महोत्सव में रायपुर से करमा, दुर्ग से करमा, बिलासपुर से करमा सरहुल, बस्तर से आदिवासी लोकनृत्य और सरगुजा से करमा नृत्य दलों ने भाग लिया। सभी नर्तक दलों ने मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम के मुख्य आतिथ्य में आयोजित समारोह का शुभारंभ विधिवत पूजा अर्चना कर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा दुर्ग संभाग के जय बूढ़ादेव कर्मा पार्टी गंडई जिला खैरागढ़ को 1 लाख रुपए का प्रथम पुरस्कार, बस्तर संभाग के गुण्डाधुर लोककला मंच किंदरवाड़ा जिला सुकमा को 50 हजार रूपए का द्वितीय पुरस्कार और सरगुजा संभाग के सुपर स्टार करमा पार्टी डाँगबुड़ा मैनपाट को 25 हजार रुपए का तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। मंत्री डॉ टेकाम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतियोगिता में सुकमा से लेकर सरगुजा के कलाकार उपस्थित हुए हैं। शहीद वीरनारायण सिंह छत्तीसगढ़ के प्रथम आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे। उन्होंने क्षेत्र के किसानों और आदिवासियों को अकाल से बचाने के लिए संघर्ष किया। डॉ. टेकाम ने शहीद वीरनारायण सिंह को नमन करते हुए कहा कि राज्य के लोकनृत्य, लोकगाथा और लोकसंस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बहुत ही अनुकरणीय काम किया है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आदिवासी संस्कृति को पहचान दिलाने के लिए राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है।

नाम परिवर्तन

मैं श्रीमती ललिता दुग्गड़ पति स्व. विकास दुग्गड़ (33 वर्ष) कोंडागांव तहसील अंतर्गत कोंडागांव में निवास करती हूं। मेरी बेटी के नाम पर रिलायंस चाईल्ड प्लान के तहत एक बीमा पॉलिसी ली गई थी जिसमें उसका नाम हर्षा दुग्गड़ दर्ज है, जो कि उसका घरेलू नाम है। मेरी बेटी के आधार कार्ड व अन्य शैक्षणिक दस्तावेजों में उसका नाम काव्या दुग्गड़ दर्ज है। हर्षा दुग्गड़ व काव्या दुग्गड़ एक ही लड़की के नाम है इसी आशय में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

श्रीमती ललिता दुग्गड़
शपथकर्ता

चारों ओर बिखर रही है छत्तीसगढ़ के चाय-कॉफी की खुशबू

किसानों के लिए चाय-कॉफी की खेती बन रही बेहतर आय का जरिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य अपनी धान की दुर्लभ प्रजातियों के लिए विश्व में प्रसिद्ध है। बड़े पैमाने पर धान की खेती होने के कारण राज्य को धान का कटोरा कहा जाता है। प्राकृतिक संपदा से भरपूर प्रदेश में नदियां, जंगल, पहाड़ और पठार भी काफी भू-भाग में हैं। इनमें पठारी भूमि में धान का उत्पादन नहीं हो पाने के कारण अर्थव्यवस्था में उनका योगदान सीमित हो गया था। इन सबके बावजूद जशपुर जिले के पठारी क्षेत्र में चाय और बस्तर में कॉफी की खेती ने संभावानाओं के नए द्वार खोले हैं। कृषि वैज्ञानिकों ने यहां की जलवायु के अध्ययन के आधार पर संभावनाओं को नई दिशा दी है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल से छत्तीसगढ़ शासन की तरफ से टी-कॉफी बोर्ड गठन का फैसला इसी दिशा में अहम कदम है। जिसके तहत राज्य में 10-10 हजार एकड़ में चाय और कॉफी की खेती कराने का लक्ष्य तय किया गया है। जशपुर जिला में चाय की खेती सफलतापूर्वक की जा रही हैं। यहां शासन ने जिला खनिज न्यास, वन विभाग, डेयरी विकास योजना और मनरेगा की योजनाओं के बीच समन्वय स्थापित करते हुए कांटाबेल, बालाछापर, सारुडीह के 80 एकड़ भूमि में चाय बागान विकसित हो रहे हैं।

कुछ साल बाद जब बागानों से चाय का उत्पादन शुरू होगा तो प्रति एकड़ 2 लाख रुपये सालाना तक का किसान लाभ कमा सकेंगे। यह धान की खेती से कहीं अधिक लाभकारी साबित होगा। इसी तरह बस्तर के दरभा, ककालगुर और डिलमिली में कॉफी की खेती विकसित हो चुकी है। यहां कॉफी की दो प्रजातियां अरेबिका और रूबस्टा कॉफी लगाए गए हैं। बस्तर की कॉफी की गुणवत्ता ओडिसा और आंध्रप्रदेश के अरकू वैली में उत्पादित किए जा रहे कॉफी के समान है। कॉफी उत्पादन के लिए समुद्र तल से 500 मीटर की ऊंचाई जरूरी है। बस्तर के कई इलाकों की ऊंचाई समुद्र तल से 600 मीटर से ज्यादा है जहां ढलान पर खेती के लिए जगह उपलब्ध है।

100 एकड़ जमीन में कॉफी उत्पादन का प्रयोग सफल रहा है तथा बस्तर कॉफी नाम से इसकी ब्रांडिंग भी हो रही है। उद्यानिकी विभाग किसानों को कॉफी उत्पादन का प्रशिक्षण भी दे रहा है। चाय-कॉफी की खेती की विशेषता यह है कि इसके लिए हर साल बीज नहीं डालना पड़ता किसान कॉफी की खेती से हर साल 50 हजार से 80 हजार प्रति एकड़ आमदनी कमा सकते है। धान की तरह बहुत अधिक पानी की भी आवश्यकता नहीं पड़ती। केवल देखभाल करने की आवश्यकता रहती है।

वनोपजों के मामले में प्रदेश काफी आगे है तथा पठारी क्षेत्रों में चाय-कॉफी के उत्पादन से ग्रामीणों के लिए रोजगार और अर्थोपार्जन के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। सरकार की ओर से टी-कॉफी बोर्ड बनाने पहल को सही दिशा में उठाया गया कदम माना जा सकता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि कृषि वैज्ञानिकों के अध्ययन के आधार पर सरकार की तरफ से हुई इस पहल के सार्थक परिणाम सामने आएंगे और राज्य के किसानों और उद्यमियों की संपन्नता में चाय-कॉफी ताजगी लाने का काम करेगी।

बारह सिंचाई योजनाओं के लिए 34.15 करोड़ रुपए स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने प्रदेश के बारह विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के कार्यों को कराने के लिए 34 करोड़ 15 लाख 16 हजार रुपए स्वीकृत किए है। योजना के पूरा होने से 1 हजार 518 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। रायपुर जिले के विकासखण्ड-अभनपुर की चम्पारण नाला में नवागांव स्टापडेम निर्माण कार्य के लिए 2 करोड़ 59 लाख 79 हजार रुपए स्वीकृत किए गए है। योजना के पूरा होने से 70 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। विकासखण्ड-अभनपुर की टीला एनीकट के जल प्रदाय हेतु वितरक शाखा एवं परसदा माईनर हेड रेगुलेटर निर्माण कार्य एवं वितरक शाखा पर पुलिया निर्माण कार्य के लिए 1 करोड़ 55 लाख 40 हजार रुपए स्वीकृत किए गए है। विकासखण्ड-अभनपुर की चम्पारण नाला में नवागांव स्टापडेम निर्माण कार्य के लिए 2 करोड़ 59 लाख 79 हजार रुपए स्वीकृत किए गए है। योजना के पूरा होने से 70 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। विकासखण्ड आरंग की बलौदाबाजार शाखा नहर के वितरक शाखा क्र.-01 एवं 02 का रिमॉडलिंग एवं सी.सी. लाईनिंग कार्य तथा पक्के कार्यों के लिए 3 करोड़ 46 लाख 43 हजार रुपए स्वीकृत किए गए है। योजना के पूरा होने से 910 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी।

बेमेतरा जिले के विकासखण्ड-नवागढ़ की शिवनाथ नदी पर नांदघाट तटरक्षण कार्य के लिए 3 करोड़ 43 लाख 60 हजार रुपए स्वीकृत किए गए है। बेमेतरा जिले के विकासखण्ड-बेरला की मंगलोर तटबंध निर्माण कार्य के लिए 3 करोड़ 82 लाख 75 हजार रुपए स्वीकृत किए गए है। गरियाबंद जिले के विकासखण्ड-छूरा की बोहिरगांव जलाशय का शीर्ष तथा स्पील चैनल का जीर्णोद्धार एवं मुख्य नहर एवं शाखा नहरों का लाईनिंग कार्य के लिए तीन करोड़ 39 लाख 28 हजार रुपए स्वीकृत किए गए है। योजना के पूरा होने से 188 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। महासमुंद जिले के विकासखण्ड महासमुंद की राजीव समोदा निसदा व्यपवर्तन योजना के प्रथम चरण शीर्ष कार्य दांये तट का ग्राम मुढ़ेना से शीर्ष कार्य के पहुंच मार्ग पर सीमेंट कांक्रीट कार्य के लिए 2 करोड़ 29 लाख 36 हजार रुपए स्वीकृत किए गए है। कांकेर जिले के विकासखण्ड-कांकेर की भैराडीह एनीकट निर्माण कार्य के लिए 3 करोड़ 19 लाख 15 हजार रुपए स्वीकृत किए गए है। योजना के पूरा होने से 75 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। नारायणपुर जिले के विकासखण्ड-नारायणपुर की गढ़बेंगाल में कुकरनदी पर स्टापडेम निर्माण कार्य के लिए 4 करोड़ 79 लाख 10 हजार रुपए स्वीकृत किए गए है। योजना के पूरा होने से 105 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। कोण्डागांव जिले के विकासखण्ड-माकड़ी की नारंगी नदी पर स्टापडेम निर्माण कार्य के लिए 3 करोड़ 87 लाख 95 हजार रुपए स्वीकृत किए गए है। योजना के पूरा होने से 100 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी।

दृष्टिबाधित बच्चों को स्मार्टफोन के साथ की-बोर्ड का प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दिव्यांग बच्चों को बाधारहित वातावरण तैयार कर शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए राज्य के स्कूलों में अध्ययनरत दृष्टिबाधित बच्चों के अध्ययन में आ रही समस्या को दूर करने के लिए संस्था एम. जंक्शन कोलकाता के सहयोग से एक अभिनव प्रयास का क्रियान्वयन किया गया है। समावेशी शिक्षा के अंतर्गत दृष्टिबाधित बच्चों को स्मार्ट फोन के साथ की-बोर्ड का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में दृष्टिबाधित बच्चों को स्मार्ट फोन शुरू और बंद करने, अनलॉक करने और उपयोग करने, स्मार्ट फोन में जेस्चर, डबलटेप, अनलॉक, एल. जेस्चर, बैक जेस्चर, नोटिफिकेशन जेस्चर, नेवीगेशन जेस्चर के बारे में प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

समग्र शिक्षा और कोलकाता की संस्था के संयुक्त प्रयास से राजधानी के निमोरा में 19 दिसम्बर से 22 दिसम्बर तक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसमें 19 और 20 दिसम्बर को 9 जिले के 59 बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया। वहीं 21 और 22 दिसम्बर को अन्य 9 जिलों के 56 बच्चों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। मंगलवार 20 दिसम्बर को अधिकारीगण भी प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए और उन्होंने ट्रेनिंग प्रोग्राम की जानकारी ली।

छत्तीसगढ़ दृष्टिबाधित बच्चों को स्मार्ट फोन के साथ की-बोर्ड का प्रशिक्षण प्रदान करने वाला प्रथम राज्य होगा। प्रशिक्षण में दृष्टिबाधित बच्चों को बुक शेयर से बुक डाउनलोड करने समेत रीडिंग की भी प्रैक्टिस कराई जा रही है। इस कार्यक्रम में सम्मिलित सभी दृष्टिबाधित बच्चों ने उत्साह के साथ अपनी सहभागिता दी। कार्यक्रम में लाभान्वित होने वाले दृष्टिबाधित बच्चों को स्मार्टफोन के साथ की-बोर्ड प्रदान किया जा रहा है, जिससे बच्चें भविष्य में स्वयं लिखित परीक्षा दे पायेंगे। कार्यक्रम में प्रशिक्षित बी.आर.पी. (समावेशी शिक्षा) के द्वारा जिला स्तर पर चयनित दृष्टि बाधित बच्चों को सतत रूप से स्मार्ट फोन में सुगम्य पाठ्य पुस्तक के उपयोग के संबंध में मॉनिटरिंग कर सहयोग प्रदान किया जा रहा है। भविष्य में शाला में अध्ययनरत अन्य कक्षाओं के दृष्टिबाधित बच्चों को इस योजना से लाभान्वित किया जाएगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में समग्र शिक्षा के संयुक्त संचालक संजीव श्रीवास्तव, अतिरिक्त प्रबंध संचालक के.सी. काबरा, सहायक संचालक सीमा गौरहा, समावेशी शिक्षा समन्वयक श्यामा तिवारी, जिलों के बी.आर.पी., एम जंक्शन कोलकाता के वित्त अधिकारी अनिंदो चटर्जी, ब्रांच मैनेजर जयप्रकाश प्रजापति, पिया नंदी एवं डॉ. होमियार और उनकी टीम व साइटसेवर्स से गौरव जैन एवं करन सिसोदिया उपस्थित थे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने दिव्यांग दंपती को मिलाया

रायपुर (ए)। परिवारिक विवाद में अलग-अलग रहे है दिव्यांग दंपती के बीच मन मुटाव दूर करने में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्यों के अहम भूमिका निभाई। समझाने के बाद आपसी कड़वाहट को भूला कर दिव्यांग दंपती एक साथ रहकर जीवन बिताने के लिये राजी हो गये। दरअसल राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण में नई दिल्ली की ओर से देश में विधिक जागरूरता अभियान चालाया जा रहा है। इस अभियान को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भी जिले भर में चला कर लोगों को न्याय दिलाने का काम कर रही है। इसी कड़ी में घरेलू हिसां से पीड़ित महिलाओं को संरक्षण योजना का योजना का लाभ देने हमर अंगना अभियान के तहत् रायपुर निवासी सीतिया गहरवाल पति शैलेश गहरवाल को न्याय दिलाया गया।

हॉकी वर्ल्ड कप ट्रॉफी 24 दिसम्बर को रायपुर पहुंचेगी, मुख्यमंत्री करेंगे ट्रॉफी का अनावरण

मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में होगा स्वागत समारोह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हॉकी वर्ल्ड ट्रॉफी 24 दिसंबर को छत्तीसगढ़ पहुंचेगी। राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ट्रॉफी का अनावरण करेंगे। हॉकी वर्ल्ड कप की ट्रॉफी को हॉकी इंडिया नई दिल्ली द्वारा देश के विभिन्न 16 राज्यों में भ्रमण कराया जा रहा हैं। अंतिम पड़ाव में यह छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर पहुंच रही है। गौरतलब है कि ओडिशा में 13 से 29 जनवरी 2023 तक एफआईएच ओडिशा मेन्स वर्ल्ड कप आयोजित किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता भुवनेश्वर और राउरकेला में संपन्न होगी।

हॉकी वर्ल्ड ट्रॉफी रायपुर पहुंचने पर मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में इस ट्रॉफी के स्वागत के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल होंगे। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री उमेश पटेल कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। मुख्यमंत्री निवास में सुबह 10.30 बजे आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बघेल हॉकी वर्ल्ड ट्रॉफी का अनवारण भी करेंगे।

छत्तीसगढ़ हॉकी के महासचिव मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि यह पहला मौका है, जब हॉकी वर्ल्ड कप की ट्रॉफी रायपुर आ रही है। इसके पूर्व 23 दिसंबर 2022 को फील्ड मार्शल के.एम. करिअप्पा स्टेडियम बेंगलुरू (कर्नाटक) में एक भव्य समारोह में ट्रॉफी को छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी को सौंपा जाएगा।

श्री अंसारी बेंगलुरू से यह ट्रॉफी लेकर सुबह 9 बजे फ्लाइट से स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर पहुचेंगे, जहां बाजे-गाजे के साथ ट्रॉफी का स्वागत किया जाएगा। सभी खिलाड़ी तथा खेल संघ के पदाधिकारी वहां से ट्रॉफी को लेकर सुबह 10.30 बजे मुख्यमंत्री निवास पहुचेंगे। कार्यक्रम के बाद ट्रॉफी को रैली के रूप में शहर के नेताजी सुभाष स्टेडियम ले जाया जाएगा। वहां से शहर के एक बड़े मॉल और तेलीबांधा मरीन ड्राइव में आम जनता के लिये प्रदर्शन के लिए ले जाया जाएगा। इसके बाद यह ट्रॉफी विश्व कप आयोजन स्थल भुवनेश्वर के लिये रवाना होगी।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन तथा 'छत्तीसगढ़ हॉकी' ने सभी खिलाड़ी और खेलप्रेमी जनता से इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

समर्थन मूल्य पर प्रदेश में अब तक 63.86 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी

15.93 लाख किसानों ने बेचा धान, धान के एवज में 13,283 करोड़ का हुआ भुगतान

कस्टम मिलिंग के लिए 38.55 लाख मीट्रिक टन धान का हुआ उठाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी महाभियान के तहत समर्थन मूल्य पर किसानों से अब तक 63.86 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। जो राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष 110 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य का 69 प्रतिशत है। धान खरीदी के एवज में राज्य के 15.93 लाख किसानों को 13,283 करोड़ रूपए का भुगतान बैंक लिंकिंग व्यवस्था के तहत किया गया है।

पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए निरंतर धान का उठाव जारी है। अब तक 47.95 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान के उठाव के लिए डीओ जारी किया गया है, जिसके एवज में मिलर्स द्वारा 38 लाख 55 हजार मीट्रिक टन धान का उठाव किया जा चुका है।

खाद्य विभाग के सचिव टोपेश्वर वर्मा ने बताया कि इस साल राज्य में 25.92 लाख किसानों का पंजीयन हुआ है, जिसमें लगभग 2.26 लाख नये किसान शामिल हैं। राज्य में धान खरीदी के लिए 2600 उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं। सामान्य धान 2040 रूपए प्रति क्विंटल तथा ग्रेड-ए धान 2060 रूपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है। राज्य में धान खरीदी की व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सीमावर्ती राज्यों से धान के अवैध परिवहन को रोकने के लिए चेक पोस्ट पर माल वाहकों की चेकिंग की जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि आज 21 दिसंबर को लगभग 58 हजार किसानों से 2 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीदी की गई है, इसके अलावा ऑनलाइन प्राप्त टोकन के जरिए किसानों से लगभग 74 हजार टन धान की भी खरीदी हुई हैं। आगामी दिवस की धान खरीदी के लिए 71,290 टोकन तथा टोकन तुंहर हाथ एप के जरिये 15,137 टोकन ऑनलाइन जारी किए गए हैं।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

एआर रहमान-आशा भोसले के ट्रैक याई रे में हनी सिंह ने डाला ईडीएम का तड़का

रैपर यो यो हनी सिंह ने 1990 के दशक की हिट फिल्म रंगीला का सुपरहिट ट्रैक याई रे को रीक्रिएट किया है, जो ग्रैमी और ऑस्कर विनर कंपोजर ए.आर. रहमान का पहला हिंदी साउंडट्रैक था। रीक्रिएटेड नंबर में ईडीएम (इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक)हैं, जो इसे एक पार्टी एंथम बनाती है। गाने में यूलिया वंतूर को एक नए अवतार में दिखाया गया है। गाने के बारे में बात करते हुए हनी सिंह ने कहा, मुझे ओरिजिनल सॉन्ग याई रे बहुत पसंद आया और जब इस तरह के आइकोनिक ट्रैक को फिर से बनाने का अवसर आया तो मैं इसे करने के लिए फौरन तैयार हो गया! याई रे 2022-2023 का पार्टी एंथम है।

हमें उम्मीद है कि फैंस इसे उतना ही पसंद करेंगे, जितना इसके ओरिजनल थीम को किया गया था। म्यूजिक वीडियो मिहिर गुलाटी द्वारा निर्देशित है, जिन्होंने हनी सिंह के साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम किया है। वीडियो एक क्लब में सेट किया गया है, जहां हनी और यूलिया दोनों को बिल्कुल नए याई रे के हुक-स्टेप पर डांस करते हुए दिखाया गया है। यूलिया वंतूर ने कहा, जब मैंने पहली बार गाना सुना तो मैं खुद को डांस करने से रोक नहीं पाई। यह गाने की वाइब है, यह एक नई एनर्जी लाती है और आपको खुश महसूस कराती है। यह ओरिजनल ट्रैक लेजेंड ए.आर. रहमान का है। हनी सिंह ने अपने स्टाइल से इसे मसालेदार बनाने का काम किया है।

मैं बहुत खुश और आभारी हूं कि यो यो हनी सिंह और टिप्स ने मुझे इस अमेजिंग सॉन्ग का हिस्सा बनाने के बारे में सोचा। इस म्यूजिक वीडियो के लिए सिंगिंग और शूटिंग करना बिल्कुल मजेदार था। मुझे उम्मीद है कि फैंस इसे उतना ही पसंद करेंगे जितना हम करते हैं। यह वास्तव में हम सभी के लिए एक खुशहाल नया साल होने जा रहा है। याई रे टिप्स म्यूजिक यूट्यूब चैनल पर स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध है।

रणवीर सिंह, अर्जुन कपूर और गोविंदा आंखें की रीमेक के लिए परफेक्ट

रोहित शेट्टी अभी अपनी कॉमेडी फिल्म सर्कस का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। फिल्म 23 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। रोहित ने एक इंटरव्यू में 1993 में आई फिल्म आंखें की रीमेक पर बातचीत की है। उन्होंने कहा है कि आंखें की रीमेक के लिए अभिनेता रणवीर सिंह, अर्जुन कपूर और गोविंदा परफेक्ट हैं। बता दें कि डेविड धवन के निर्देशन की ऑरिजनल फिल्म में भी गोविंदा ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। रोहित ने कहा, रणवीर गोविंदा का किरदार निभा सकते हैं, अर्जुन चंकी पांडे का रोल कर सकते हैं और परेश भाई (परेश रावल) कादर खान के लिए एकदम सही होंगे। इसके बाद उन्होंने अपनी बात बदलते हुए कहा कि कादर का किरदार गोविंदा निभा सकते हैं। उनकी मानें तो गोविंदा और रणवीर डबल रोल में खूब जंचेंगे। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा, इसके कॉपी राइट्स मेरे पास हैं, कोई जाकर राइट्स मत खरीदना।

'लाइगर' की असफलता के बाद निर्माता पुरी जगन्नाध सलमान के साथ 'फिल्म' की योजना बना रहे

टॉलीवुड फिल्म निर्माता पुरी जगन्नाथ 'लाइगर' की असफलता के बाद बॉलीवुड स्टार सलमान खान के साथ एक फिल्म की योजना बना रहे हैं। तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में चर्चा है कि निर्देशक ने सलमान खान को एक स्क्रिप्ट सुनाई है। कहा जा रहा है कि अभिनेता फिल्म में काम करने को इच्छुक हैं। हालांकि, अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पुरी जगन्नाध और सलमान खान के हाथ मिलाने की खबरें तब से आ रही हैं जब से बॉलीवुड स्टार ने महेश बाबू की फिल्म 'पोकिरी' की रीमेक 'वांटेड' में अभिनय किया था। प्रभु देवा ने 'वांटेड' का निर्देशन किया था जो 2009 की सफल फिल्मों में से एक थी।

हालांकि, पुरी जगन्नाथ द्वारा सलमान के पास एक स्क्रिप्ट लेकर आने के बारे में अटकलों का एक नया दौर शुरू हो गया है। दिलचस्प बात यह है कि इन दोनों ने मेगास्टार चिरंजीवी की 'गॉडफादर' में काम किया था। फिल्म निर्माता ने पत्रकार की भूमिका निभाई जबकि सलमान एक विस्तारित कैमियो में दिखाई दिए थे।

यदि पुरी और सलमान प्रस्तावित वेंचर के लिए टीम बनाते हैं तो इससे टॉलीवुड निर्देशक को हाल के दिनों में अपने कठिन दौर से उबरने में मदद मिल सकती है। विजय देवरकोंडा अभिनीत उनकी हालिया फिल्म 'लाइगर' असफल साबित हुई है। हिंदी-तेलुगु फिल्म 'लाइगर' कथित तौर पर लगभग 125 करोड़ रुपये के बजट के साथ बनाई गई थी।

कुत्ते में तब्बू का किरदार पहले एक पुरुष कैरेक्टर के लिए था

अभिनेत्री तब्बू ने खुलासा किया है कि फिल्म 'कुत्ते' में उनकी भूमिका पहले एक पुरुष चरित्र के लिए लिखी गई थी, लेकिन निर्देशक आसमान भारद्वाज और उनके संगीतकार-निर्माता पिता विशाल भारद्वाज ने इसे बदल दिया। 'कुत्ते' आसमान भारद्वाज की डायरेक्टर के रूप में पहली फिल्म है। मुंबई में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में मीडिया से बात करते हुए विशाल के साथ 'मकबूल' और 'हैदर' जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं अभिनेत्री तब्बू ने कहा, यह किरदार एक पुरुष के लिए लिखा गया था, लेकिन आसमान और विशाल जी ने मेरे लिए बदल दिया। आसमान मेरी नजर के सामने बड़ा हुआ है। उन्होंने यह भी साझा किया कि फिल्म में काम करना उनके लिए गर्व की बात है क्योंकि उन्होंने आसमान को अपनी आंखों के सामने बड़ा होते देखा है। आसमान मेरे सामने ही बड़ा हुआ है, मेरे सामने सेट्स पर लकड़ी का कैमरा लेके घूमता था। वह फिल्मों की दुनिया में खोया रहता था। उन्हें 'कुत्ते' जैसा कुछ लिखते देखना मेरे लिए गर्व की बात है क्योंकि विशाल, रेखा और आसमान मेरे लिए एक परिवार हैं। 'कुत्ते' 13 जनवरी 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दौड़ने से काफी अलग है स्प्रिंटिंग, ये है 5 प्रमुख फायदें

स्प्रिंटिंग का मतलब होता है थोड़े-थोड़े समय के लिए तेजी से दौड़ना। यह एक्सरसाइज फिटनेस फ्रीक लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है। यह कैलोरी बर्न करने, मांसपेशियों का निर्माण करने और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में काफी मददगार है। इसके अलावा आप स्प्रिंटिंग करने से थकते नहीं हैं और लंबे समय तक एक्टिव महसूस कर सकते हैं। स्प्रिंट करने से आपको हाई इंटेन्सिटी इंटरवल ट्रेनिंग (एचआईआईटी) में भी काफी मदद मिलती है। चलिए आज आपको स्प्रिंटिंग के पांच फायदे बताते हैं।

हृदय स्वास्थ्य को बेहतर करती है स्प्रिंटिंग

स्प्रिंटिंग एक बेहतरीन एक्सरसाइज है, जो हृदय स्वास्थ्य को बेहतर करती है और आपको एक्टिव रखती है। यह एक्सरसाइज करने से जब आप आराम कर रहे होते हैं, उस वक्त कम हृदय गति प्राप्त करने में मदद मिलती है। यह आपके शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को सुधारती है और ब्लड प्रेशर को स्थिर करती है। इसकी मदद से आप हृदय संबंधित गंभीर बीमारियों के जोखिम से बचे रहते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य में करती है सुधार

स्प्रिंटिंग आपके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करती है। दरअसल, जब आप स्प्रिंटिंग करते हैं तो आपका शरीर एंडोर्फिन रिलीज करता है। एंडोर्फिन एक ऐसा रसायन है जो दर्द और तनाव को कम करता है और आपको सकारात्मक भावनाओं का अनुभव करने में मदद करता है। इसके साथ ही स्प्रिंटिंग आपके तनाव को दूर रख सकती है, चिंता को कम कर सकती है और डिप्रेशन को भी कम करने में कारगर है।

मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में है मददगार

दौड़ने या जॉगिंग की तुलना में स्प्रिंटिंग करने से आप ज्यादा कैलोरी बर्न कर सकते हैं। शोधकर्ता बताते हैं कि स्प्रिंटिंग से ऊर्जा बर्न होने की दर बढ़ जाती है, जो किसी इंसान के एक्सरसाइज करने के बाद भी जारी रहती है। इसके अलावा यह आपके अतिरिक्त फैट को बर्न करने, आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देने और आपको सही आकार में रखने में भी मदद करती है। आप एचआईआईटी वर्कआउट के एक पार्ट के रूप में स्प्रिंटिंग कर सकते हैं।

ग्लूकोज नियंत्रण में करती है सुधार

स्प्रिंटिंग आपकी मांसपेशियों में स्टोर ग्लाइकोजन को कम करने में मदद कर सकती है और यह सुनिश्चित करती है कि आपके शरीर में बहुत ज्यादा इंसुलिन नहीं हो। बेशक इंसुलिन शरीर के लिए अच्छा होता है, लेकिन बहुत ज्यादा इंसुलिन शरीर के अंदर जमा होने वाली अतिरिक्त फैट को बढ़ा सकता है। इसके कारण यह इंसुलिन प्रतिरोध पैदा कर सकता है, जिससे किसी इंसान के लिए वजन कम करना मुश्किल हो जाता है।

मांसपेशियों के लिए भी है लाभदायक

हमारे शरीर में टाइप 1 और टाइप 2 मांसपेशी फाइबर होते हैं। टाइप 1 मांसपेशी फाइबर दौड़ने या कार्डियो एक्सरसाइज के दौरान इस्तेमाल होता है, वहीं टाइप 2 फाइबर स्प्रिंटिंग के समय इस्तेमाल होता है।

रिपोर्ट के अनुसार, टाइप 2 फाइबर आपके पैरों की मांसपेशियों को पतला रखने में मदद करता है। इससे आपके शरीर में फैट भी कम होता है। इसी वजह से स्प्रिंटिंग मांसपेशियों का निर्माण करने में मदद कर सकती है।

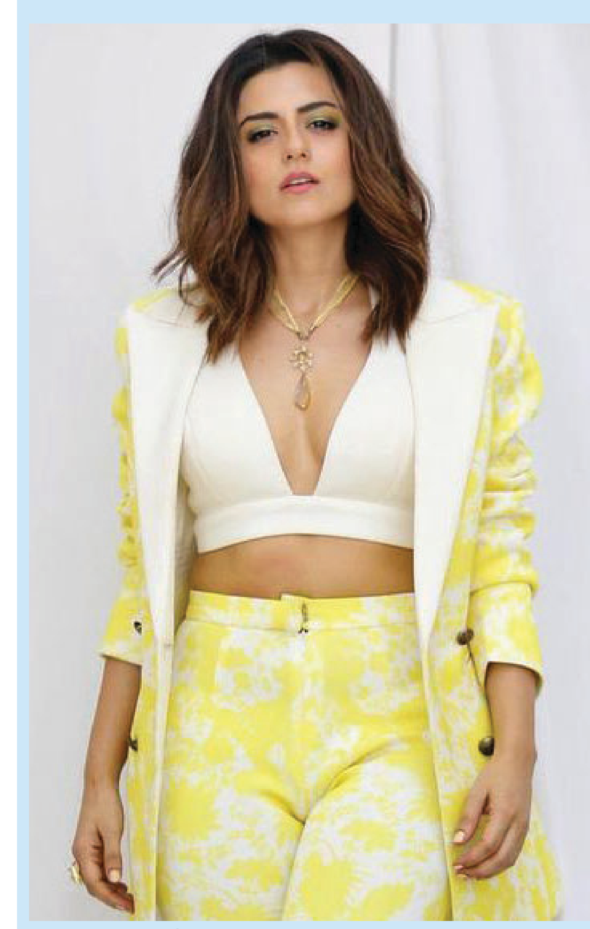

रिद्धि डोगरा ने एक्ट्रेस बनने के लिए छोड़ दी थी नौकरी

वेब सीरीज 'पिचर्स' के दूसरे सीजन की कास्ट में शामिल हुईं रिद्धि डोगरा ने अपने करियर को लेकर बताया है कि उन्होंने कलाकार बनने के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी थी। उन्होंने कहा, मुझे याद है कि मेरे बॉस ने मुझे यह आदेश दिया था कि यह सही नहीं है, और यह मेरे इतनी मेहनत करने के बाद भी गलत है। पहला विचार जो मेरे दिमाग में आया वह यह था कि वह सही या गलत का न्याय करने वाला कौन होता है? उसी दिन मैंने फैसला कर लिया था कि मैं एक कलाकार बनने के लिए बनी हूं।

अपनी ने कई सारे सारे शो जैसे- 'द मैरिड वुमन', 'दीया और बाती हम', 'वो अपना सा', 'खतरों के खिलाड़ी 6' में काम किया है। आगे अपनी बात रखते हुए अभिनेत्री ने कहा है, मैंने एक कलाकार बनने और आरामदायक नौकरी के आराम क्षेत्र को छोड़ने का फैसला किया। मैं एक टीवी चैनल में काम कर रहा थी, उससे पहले मैं एक विज्ञापन एजेंसी में थी। मैंने कैमरे के पीछे काम किया है, इवेंट्स हैंडल किए हैं और मार्केटिंग और पीआर टीम का भी हिस्सा रही हूं।

2015 में रिलीज होने वाली 'पिचर्स 1 चार उद्यमियों की कहानी है, जिन्होंने अपना उद्यम स्थापित करने के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी। इसमें नवीन कस्तूरिया, अरुणाभ कुमार, अभय महाजन और जितेंद्र कुमार मुख्य भूमिकाओं में थे।'पिचर्स 2' 23 दिसंबर से जी5 पर स्ट्रीमिंग होगी।

सलमान खान के बाद ही करुंगा अपनी शादीः प्रभास

बाहुबली स्टार प्रभास से हाल ही में एक टॉक शो में उनके लव लाइफ के बारे में सवाल किया गया। इस दौरान उनसे पूछा गया कि वो शादी कब कर रहे हैं। इसके जवाब में प्रभास ने कहा कि जब सलमान खान की शादी हो जाएगी उसके बाद ही वो शादी करेंगे। इतना कहने के बाद वो जोर से हंस पड़े। बता दें कि प्रभास इस समय फिल्म इंडस्ट्री के मोस्ट एलिजिबल बैचरल में से एक हैं। हाल ही उनकी और कृति सेनन की लिंकअप की खबरे आ रही थीं। दोनों अगले साल मेगाबजट फिल्म आदिपुरुष में साथ नजर आने वाले हैं। नंदामुरी बालकृष्ण के ओटीटी टॉक शो अनस्टॉपेबल 2 में प्रभास से उनके निजी जीवन के बारे में काफी सवाल जवाब किए गए। इस दौरान शो के होस्ट ने प्रभास से पूछा कि वो शादी कब करेंगे। जिसके जवाब में प्रभास ने तपाक से बोला, 'सलमान खान के बाद।' इतना कहने के तुरंत बाद वो जोर से हंसने लगते हैं। बता दें कि सलमान खान की उम्र 59 साल है लेकिन उन्होंने अभी तक शादी नहीं की है। बता दें कि कुछ दिन पहले प्रभास और कृति सेनन की लिंक अप की खबरें आई थी। एक रियालिटी शो में वरुण धवन ने बातों- बातों में कृति का नाम प्रभास के साथ जोड़ दिया था। फैंस मान रहे थे कि प्रभास और कृति अपने रिश्ते को पब्लिक करेंगे लेकिन कृति ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके इन सभी अफवाहों पर विराम दे दिया। इसके अलावा वरुण ने भी अपनी कही बात पर सफाई दे दी थी। प्रभास और कृति सेनन की जोड़ी अगले साल आने वाली मेगा बजट फिल्म आदिपुरुष में दिखेगी। इसी फिल्म के सेट पर दोनों के लिंकअप की खबरें आईं थी। बता दें कि ओम राउत के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म 16 जून 2023 में रिलीज होगी। फिल्म में प्रभास, कृति सेनन, सैफ अली खान और सनी सिंह अहम किरदार में होंगे। ये एक पैन इंडिया फिल्म है, जिसे हिंदी समेत तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज किया जाएगा। फिल्म का बजट लगभग 500 करोड़ रुपए है हालांकि टीजर रिलीज होने के बाद से ही इसे काफी ट्रोल किया गया। फिल्म के खराब वीएफएक्स और भगवान राम, हनुमान और रावण के लुक को गलत तरीके से दिखाने के लिए फिल्म के मेकर्स को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था।

सिल्वर डीपनेक आउटफिट में निक्की तंबोली ने बरपाया कहर

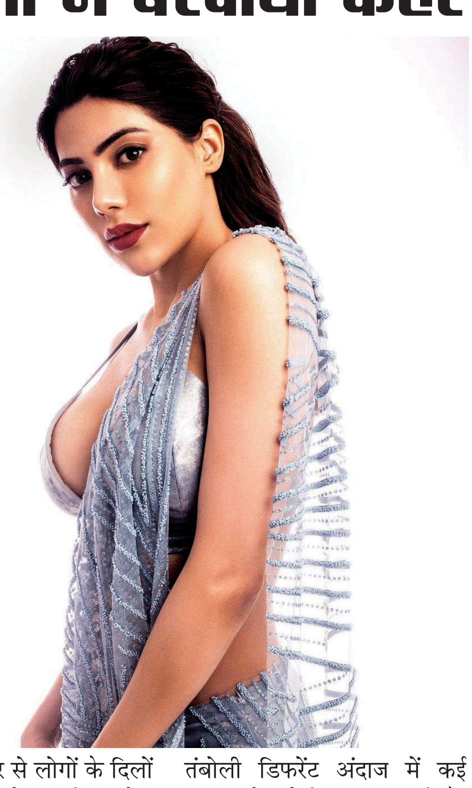

बिग बॉस के घर से लोगों के दिलों में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस निक्की तंबोली अपनी हॉटनेस से फैंस पर कहर बरपाए रहती हैं। उनकी तस्वीरें फैंस के दिलों पर कहर बरपाती हैं। सिल्वर आउटफिट में एक्ट्रेस निक्की तंबोली बेहद ही ग्लैमरस अंदाज नजर आ रही हैं। सिल्वर कलर के आउटफिट में एक्ट्रेस निक्की तंबोली बेहद ही खूबसूरत नजर आ रही हैं। डीपनेक आउटफिट में निक्की तंबोली अपनी जबरदस्त क्लीवेज फ्लॉन्ट कर रही हैं। रेड डार्क लिपस्टिक और मिनिमल मेकअप में एक्ट्रेस निक्की तंबोली में गजब की बला लग रही हैं। एक्ट्रेस निक्की तंबोली डिफरेंट अंदाज में कई किलर पोज देती नजर आ रही हैं। निक्की तंबोली अपने फैंस के साथ जुड़ने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। निक्की तंबोली की इन तस्वीरों पर फैंस लाइक और कमेंट्स की बौछार कर रहे हैं। फैंस भी एक्ट्रेस निक्की तंबोली की इन तस्वीरों को बेहद ही पसंद कर रहे हैं। एक्ट्रेस अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं निक्की तंबोली के इंस्टाग्राम पर 3.6 मिलियन फॉलोवर्स हैं। एक्ट्रेस निक्की तंबोली अपने फैंस के लिए निजी और प्रोफेशनल पलों के सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं।

ग्लाइकोलिक एसिड बनाम सैलिसिलिक एसिड

ये है त्वचा के लिए ज्यादा बेहतर

ग्लाइकोलिक और सैलिसिलिक एसिड दो ऐसी सामग्रियां हैं, जो आमतौर पर कई स्किन केयर प्रोडक्ट्स जैसे टोनर और क्लींजर में मौजूद होती हैं। ये दोनों त्वचा के लिए अच्छी मानी जाती हैं। हालांकि कई महिलाएं इस उलझन में रहती हैं कि इनमें से त्वचा के प्रकार के अनुसार किसे चुनना चाहिए और इनमें से कौन त्वचा को सबसे ज्यादा फायदा पहुंचाएगा। आइए आज इस लेख में आपको इन्हीं सवालों के जवाब देते हैं।

ग्लाइकोलिक एसिड क्या है?

ग्लाइकोलिक एसिड एक कार्बनिक यौगिक है जो अल्फा हाइड्रोक्सी एसिड (AHA) के समूह से संबंधित है। यह यौगिक आमतौर पर गन्ना, नींबू और खरबूजे जैसे मीठे और खट्टे फलों में पाया जाता है। यह एसिड पानी में घुलनशील होता है और एक्सफोलिएंट के रूप में कार्य करता है। यह त्वचा को चमकदार बनाने, मुंहासों की समस्या से बचाने और समय से पहले उभरने वाले बढ़ती उम्र के लक्षणों को दूर करने में मदद सकता है।

सैलिसिलिक एसिड क्या है?

सैलिसिलिक एसिड एक ऐसा यौगिक है जो मुख्य रूप से पौधों में होता है। यह एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है। इसके अतिरिक्त यह एक्सफोलिएट के रूप में भी काम करता है। इसका इस्तेमाल स्किन केयर प्रोडक्ट्स में अलग-अलग अनुपात में होता है। हालांकि रूखे प्रकार की त्वचा वालों को सैलिसिलिक एसिड युक्त स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए क्योंकि यह त्वचा को और ज्यादा रूखा बना सकता है।

किस तरह की त्वचा के लिए किसका इस्तेमाल है आदर्श?

ग्लाइकोलिक एसिड युक्त स्किन केयर प्रोडक्ट्स रूखी और कॉम्बिनेशन त्वचा के लिए ज्यादा अच्छा है। अगर आप असमान त्वचा या हाइपरपिग्मेंटेशन को कम करना चाहते हैं तो इसका इस्तेमाल करें। यह एंटी-एजिंग के तौर पर भी कार्य करता है। मुंहासों से छुटकारा पाने के लिए भी इसका इस्तेमाल करें। सैलिसिलिक एसिड वाले स्किन केयर प्रोडक्ट्स तैलीय त्वचा के लिए अच्छे होते हैं। यह त्वचा के कोलेजन उत्पादन को बढ़ाकर झुर्रियों को कम करने में भी मदद कर सकता है।

ग्लाइकोलिक और सैलिसिलिक एसिड में से किसका चयन करें?

ग्लाइकोलिक और सैलिसिलिक एसिड, दोनों को ही स्किन केयर प्रोडक्ट्स की महत्वपूर्ण सामग्रियां होती हैं। हालांकि अगर आपकी त्वचा रूखी है तो सैलिसिलिक एसिड वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से बचें। दूसरी तरफ ग्लाइकोलिक एसिड हर तरह की त्वचा के लिए अच्छा है। हमेशा अपनी त्वचा की जरूरत को ध्यान में रखकर ही इन एसिड से युक्त प्रोडक्ट्स का चयन करें।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

विकास के लिए कई नए काम होंगे, अधिकारी जिम्मेदारी से काम करें: मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज नवगठित सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले भेंट-मुलाकात के दौरान बिलाईगढ़ रेस्ट हाउस में अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने आम जनता से आदिम जाति विकास विभाग के बारे में मिली लेन-देन की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए शिकायतों की जांच कर उसके निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सारंगढ़-बिलाईगढ़ नया जिला बना है।

इस नए जिले के विकास के लिए कई नए कार्य कराए जाएंगे।

अधिकारी जिले के विकास के लिए मेहनत, जवाबदारी और बेहतर तरीके से काम करें। उन्होंने कहा कि जिले में गौठानों का तेजी से निर्माण करें, यह रोजगार का अच्छा जरिया है। इससे पलायन रोक सकते हैं। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने इस अवसर पर बिलाईगढ़ स्थित रेस्ट हाउस में पौधा भी लगाया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने अधिकारियों को नये परिवारों के राशन कार्ड और सांवरा जाति के बच्चों के लिए जाति प्रमाण पत्र बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन स्थलों पर सामुदायिक और व्यक्तिगत वनाधिकार की शिकायतें सामने आई हैं, उसका प्राथमिकता से निराकरण करें। धान खरीदी में कोई शिकायत नहीं आई है, बस पेमेंट सिस्टम देख लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दुर्गम क्षेत्र नहीं है, यहां बिजली की शिकायत बिल्कुल नहीं आनी चाहिए। विशेषकर मध्य के जिलों में समस्या नहीं होनी चाहिए।

इस अवसर पर आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, बिलाईगढ़ विधायक एवं संसदीय सचिव चंद्रदेव प्रसाद राय, मुख्यमंत्री के सचिव अंकित आनंद, बिलासपुर संभाग के कमिश्नर डॉ. संजय अलंग, पुलिस महानिरीक्षक बी.एन. मीणा, सारंगढ़-बिलाईगढ़ कलेक्टर डॉ. फरिहा आलम सिद्दिकी, बलौदाबाजार-भाटापारा कलेक्टर रजत बंसल भी उपस्थित थे।

चेतन बाई ने कर्ज माफी और न्याय योजना का लाभ उठाकर मिली राशि से खरीदी खेती की जमीन

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की किसान हितैषी योजनाओं की ग्रामीणों के बीच स्वीकार्यता और लोकप्रियता का यह आलम है कि एक ग्रामीण महिला ने कर्ज माफी से बचे पैसे और राजीव गांधी किसान न्याय योजना से मिली राशि से खेती के लिए जमीन का छोटा सा टुकड़ा खरीदा और उसका नामकरण 'मुख्यमंत्री बाहरा' याने 'मुख्यमंत्री खेत' कर दिया। मुख्यमंत्री ने आज बिलाईगढ़ में प्रेसवार्ता में इस वाकये का जिक्र करते हुए बताया कि भेंट-मुलाकात के दौरान सरसींवा में ग्रामीण महिला चेतन बाई ने बताया था कि कर्ज माफी से मिले लाभ और राजीव गांधी किसान न्याय योजना से मिले पैसों से 32 डिसमिल जमीन ली हूं, जिसका नाम मैने मुख्यमंत्री बाहरा (खेत) रखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह खुशी की बात है कि लोगों को राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। गौरतलब है कि मंगलवार को बलौदाबाजार जिले के अंतर्गत बिलाईगढ़ विधानसभा के ग्राम सरसींवा में आयोजित भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में चेतन बाई महिलांग ने मुख्यमंत्री को बताया कि यह सरकार छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की चिंता करती है। आज तक ऐसा मुख्यमंत्री नहीं देखा जिसने सभी का ध्यान रखा है।

खास खबर

नगरपालिका प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक आयटम्स की जब्ती के लिए विशेष अभियान

रायपुर। भारत शासन पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 12 अगस्त 2021 को प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम, 2021 अधिसूचित किया गया है,जिसके अंतर्गत 1 जुलाई 2022 से पोलीस्टाइरीन और विस्तारित पोलीस्टाइरीन वस्तुओं सहित निम्नलिखित एकल प्रयोग प्लास्टिक वस्तुओं का विनिर्माण,आयात,भंडारण, वितरण बिकी और उपयोग प्रतिबंधित किया गया है ।जिससे प्लास्टिक स्टिक युक्त ईयर बड्स,गुब्बारों के लिए प्लास्टिक की इंडिया प्लास्टिक के झंडे कैसी स्टिक, आईसक्रीम इंडिया,पोलीस्टाइरीन (धर्मोकोल) की सजावटी सामग्री, प्लेट,कप,गिलास, कांटे,चम्मच,चाकू स्ट्रॉ ट्रे जैसे कटलरी मिठाई के डिब्बों के इर्द-गिर्द लपेटने या पैक करने वाली फिल्में,नियंत्रण कार्ड और सिगरेट पैकेट 100 माइकॉन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक या पीव्हीसी बैनर,स्ट्रि शामिल है ।उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज में प्लास्टिक कैरी बैग एवं किसी भी मोटाई के पीव्हीसी बैनर 27 सितंबर 2017 से प्रतिबंधित है ।जिसके परिपालन में तदानुसार 21-25 नवम्बर 2022 की अवधि में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक संरक्षणस मंडल से समन्वय कर इस हेतु विशेष अभियान चलाया जाना है।

कैट सी.जी. चैप्टर का व्हाट्सप्प से व्यापार पर कार्यशाला में बड़ी संख्या में व्यापारियों ने हिस्सा लिया

व्हाट्सप्प से व्यापार में किसी प्रकार के दुकान की आवश्यकता नहीं होगीं - अमर पारवानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल एवं मीड़िया प्रभारी संजय चौंबे ने बताया कि कैट का व्हाट्सप्प से व्यापार एवं व्यापार में मातृशक्तियों की भागीदार पर कार्यशाला हुई चैम्बर भवन में सम्पन्न हुई।

उपरोक्त कार्यशाला में मुख्य अतिथि कैट के राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण खण्डेलवाल जी, विशेष अतिथि राष्ट्रीय महिला कोऑर्डिनेटर श्रीमती पूर्णिमा शिरीषकर एवं प्रदेश अध्यक्ष कैट महाराष्ट्र सचिन दिनकर निवंगुणे कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, सहित व्हाट्सअप की प्रमुख तकनीकी टीम से सुश्री प्रियंका जैन जी (लीड-पेमेंट एण्ड़ फिनांशियल इंकलुशन, व्हाट्सअप पॉलिसी) एवं सुश्री नेहा बजाज जी (पब्लिक पॉलिसी मैनेजर, व्हाट्सअप पॉलिसी) उपस्थित रहे। कार्यशाला में अधिक से अधिक व्यापारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैट के राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण खण्डेलवाल ने कहा कि वर्तमान समय तकनीकी एवं डिजीटल व्यापार का समय है। जिससे कि हम अपने मोबाईल व्हाट्सप्प व्यापार से कर सकते है। जिसके कि लिए किसी दुकान की आवश्यकता नहीं होती है। आज बडी-बडी कम्पनीयॉ जैसे कि अमेजान, फ्लिपकार्ट एवं जैमोटो जैसी कम्पनीयॉ मोबाईल के माध्यम से अपना व्यापार करती है। ये कम्पनीयां किसी भी वस्तुओं का उत्पादन नहीं करती है। फिर भी करोड़ों रूपये का व्यापार करती है। हमे भी इस तकनीक का इस्तेमाल कर व्यापार करना चाहिए। व्हाट्सअप की प्रमुख तकनीकी टीम से सुश्री प्रियंका जैन एवं सुश्री नेहा बजाज ने बताया कि व्हाट्सप्प में बिजनेस प्रोफाईल बनाते है उसमें अपने कैटलॉग बनाते है जिसमें अपने प्रोडक्ट की फोटो एवं उसकी मूल्य दर्शा सकते है। जिससे अपने लिंक के माध्यम से अपने ग्राहक को भेज सकते है। साथ क्यू आर कोड के माध्यम से प्रोडक्ट की सूची भेज सकते है। इसमें पेमेन्ट मोड का भी आप्शन रहता है। इस आप्शन के माध्यम से किसका पेमेन्ट हो गया किसका बाकी है। यह भी दर्शाता है। व्हाट्सप्प से संस्थान के उत्पाद को उत्कृष्ठ रूप से प्रदर्शित कर सकते तथा अपने कार्य का समय भी दर्शा सकते है। उन्होने आगे कहा कि तकनीकी टीम द्वारा व्यापारियों के समस्याओं का तत्काल निराकरण किया गया । विशेष अतिथि राष्ट्रीय महिला कोऑर्डिनेटर श्रीमती पूर्णिमा शिरीषकर ने कहा कि आज व्यापार में महिला उधमियों का विशेष योगदान है। उन्होनें कहा कि आज देश के लगभग साढे सात लाख महिला उधमी उनसे जुडे हुए जो ट्रेड फेयर के माध्यम से देश- विदेश में अपने उत्पाद का विक्रय करते है। हर घर से एक महिला उधमी होने चाहिए। महिलाओ का व्यापार करने से परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत रहती है। महिलाओ का उधम सशक्तीकरण किया जाना चाहिए। जिससे की वह आत्मनिर्भर हो सके । कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी ने कहा ई- कामर्स पोर्टल पर कैट द्वारा 30 अक्टूबर 2020 को श्भारत ई -मार्ट पोर्टल श् शुरूआत की गई थी। जिसमे देश के सभी छोटे बड़े व्यापारी अपनी दुकान खोल सकते है। जो कि पूर्णतः निःशुल्क है।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना लोगों के लिए कर रही संजीवनी का काम

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। छतीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के लोगों के प्रति संवेदनशील सोच से आज प्रदेश के हर वर्ग के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही है ।लोगों को घर के नजदीक ही नि:शुल्क और उत्तम स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए छतीसगढ़ शासन लगातार प्रयासरत है ।शहरी क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों के लिए राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना की शुरूआत की गई है ।जिसके माध्यम से लोगों को घर के नज़दीक ही बेहतर और नि:शुल्क इलाज व लैब टेस्ट की सुविधा मिल रही है।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत गरियाबंद जिले में कैम्प के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाई जा रही है ।गरियाबंद की नीरा बाई ने बताया कि इस मोबाइल मेडिकल यूनिट से हमें अच्छा इलाज मिल रहा है ।जब से यह योजना शुरू हुई है तब से यही स्वास्थ्य लाभ ले रहीं हूँ।अब बड़े अस्पतालों के चक्कर लगाने की जरुरत नहीं पड़ती और पैसे की बचत होती है ।उन्होंने इस योजना और प्रदेश सरकार के खुशहाल 4 साल के लिए प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री और छत्तीसगढ़ शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया ।उल्लेखनीय है कि प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को घर के नज़दीक ही उत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना शुरू की गई है। जिसके तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) एम्बुलेंसों के जरिए डॉक्टर अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना का विस्तार नगर निगमों के बाद अब नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों तक किया गया है। नागरिकों को मोबाइल मेडिकल यूनिट के द्वारा कैम्प के माध्यम से नि:शुल्क परामर्श,उपचार,दवाइयां और लैब टेस्ट की सुविधा प्रदान की जा रही है। गरियाबंद जिले में मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत 205 स्थानों में कैम्प लगाकर अब तक 16 हजार 267 लोगों का उपचार किया गया है। वहीं 15 हजार 176 मरीज़ों को नि:शुल्क दवाई वितरण किया गया है।

लाइवलीहुड कालेज और शासकीय आईटीआई में आयोजित किया गया कैंप

हाथों में सुनहरा आफर लैटर, मेगा एंप्लायमेंट कैंप में सपने हुए पूरे

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में अब तक के सबसे बड़े रोजगार सृजन के प्लेटफ़ॉर्म में सैकड़ों खुशनसीब हाथों को एक दिन के भीतर ही आफ़र लैटर मिल गये। जिन युवाओं ने गूगल फार्म के माध्यम से आवेदन किया था, वे आज बड़ी संख्या में उपस्थित हुए और देर शाम तक इनके चयन की प्रक्रिया चलती रही। समाचार लिखे जाने तक शाम पांच बजे तक 2700 युवाओं का रजिस्ट्रेशन हो चुका था और 1379 लोगों को आफ़र लैटर मिल चुका था। उपसंचालक जनशक्ति नियोजन राजकुमार कुर्रे ने बताया कि अभी प्रक्रिया चल ही रही है।

अपर कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई ने बताया कि कैंप का संचालन सुचारू रूप से हुआ और यहां सभी सुविधाएं प्रतिभागियों के लिए रखी गई थी। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने तैयारियों की लगातार मानिटरिंग की। जिन युवाओं को आफर लैटर मिला, उन्होंने चर्चा में बताया कि हमारे लिए आज का कैंप बहुत यादगार रहा। सबसे पहले हमारा रजिस्ट्रेशन कन्फर्म किया गया। इसके बाद हमें अधिकारियों ने हमें नियुक्ति करने वाली फर्म और जाब की प्रकृति और इसमें भविष्य की संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। हास्पिटैलिटी में सलेक्ट होने वाली कुंजलता ने बताया कि इंटरव्यू के बाद उनका चयन हो गया। कंपनी के मैनेजर ने बताया कि हमें एक महीने रायपुर में होम बेस्ड केयर की ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके बाद कार्यस्थल दुर्ग में होगा। कुंजलता ने बताया कि यह बहुत खुशी का वक्त है।

मेरी पढ़ाई लिखाई प्रोफेशनल नहीं है। ऐसे में कंपनी मुझे ट्रेनिंग भी उपलब्ध कराएगी और ट्रेनिंग के साथ ही पैसे भी मिलेंगे। यह मेरे लिए बहुत अच्छा है। उन्हीं के साथ हास्पिटैलिटी सेक्टर के एक फर्म के लिए चयनित माधवी ने बताया कि मैंने बारहवीं किया है। उसके बाद ऐसी परिस्थिति बनी कि पढ़ाई आगे नहीं कर पाई। घर के पास जाब ढूंढे लेकिन इनमें पेमेंट काफी कम थी। पांच हजार की नौकरी थी और काम के घंटे खूब ज्यादा थे। इसमें सीखने की भी कोई गुंजाईश नहीं थी।

हास्पिटैलिटी में अच्छा काम करने से आगे बढ़ने की गुंजाइश भी अच्छी है। एक बड़े होटल समूह में फ्रंट आफिस अटेंडेंट के रूप में चयनित सिद्धार्थ ने बताया कि इस पद पर आगे बढ़ने की काफी गुंजाइश है। फ्रंट आफिस अटेंडेंट के रूप में सीखने की काफी गुंजाईश है। मैंने अनेक होटलों में संपर्क किया था लेकिन वहां वैकेंसी नहीं थी। अब मुझे खुशी है कि मेरा धैर्य काम आया और एक बड़े समूह के साथ मैं काम कर पाऊंगा।

नियोक्ता को मिले अच्छे आवेदक, आवेदकों को बेहतर नियोक्ता

मेगा फेयर की खासियत यह रही कि इसने नियोक्ताओं और रोजगार के इच्छुक युवाओं के बीच की दूरी कम कर दी। लोगों को अच्छे मौके मिले और नियोक्ताओं को एक ही जगह पर स्किल्ड और टैलेंट पूल। केवल छत्तीसगढ़ के भीतर ही नहीं, बाहर भी रोजगार की अच्छी संभावनाओं को एक ही स्थल पर दे दिया गया। इससे आवेदकों में काफी खुशी रही।

प्रशासन ने उपलब्ध कराई सारी सुविधा, इससे हमारा काम आसान: मेगा कैंप में आये नियोक्ताओं ने बताया कि प्रशासन ने उनके लिए यहां सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराईं। हमारे लिए स्किल्ड लोगों की सूची तैयार कर दी और एक जगह ही इन्हें व्यवस्थित कर भेज दिया। इससे हमारी दिक्कत भी दूर हुई। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस तरह की मेगा ड्राइव जो की है उससे यहां के युवाओं को काफी लाभ मिल रहा है।

हमारी परंपरा हमें संदेह करने का अवसर देती है: राहुल सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी सृजन पीठ परिसर में छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वाधीनता संग्राम सेनानी और बाबा गुरु घासीदास की स्मृति में एक वैचारिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व उप संचालक संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग राहुल सिंह ने कहा कि तथ्यों को महत्व देते हुए उनकी प्रस्तुति कैसे की जाए। इस पर विचार किया जाना चाहिए।

प्रदेश में ऐतिहासिक तथ्यों को लेकर चाहे वह वीर नारायण सिंह हो या गुरु घासीदास अथवा महात्मा गांधी। तिथियों को लेकर आज भी पूर्ण सत्यनिष्ठा कम ही प्रकट हो पाती है। उन्होंने कई उदाहरणों के माध्यम से अपनी बात की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि आज फिर 40-45 वर्ष पूर्व गुरु घासीदास की जयंती माघ पूर्णिमा को मनाई जाती थी किंतु अब 18 दिसंबर को। सोचनीय है कि 18 दिसंबर और माघ पूर्णिमा की तिथि का तालमेल हो सकता है। उन्होंने प्रमाणम् स्वपराभासी का उल्लेख करते हुए कहा वैसे निजी आस्था पर कोई सवाल नहीं किया जाना चाहिए किंतु हमारी परंपरा हमें संदेह करने का अवसर देती है। विशिष्ट अतिथि इंटेक संयोजक एवं संस्कृति व पुरातत्व धर्मी अरविंद मिश्रा ने कहा कि वीर नारायण सिंह की शहादत काल में उन 17 शहीदों का भी स्मरण किया जाना चाहिए जिन्होंने बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी सार्थक दखल रखने वाले ऐसे कई प्रतिभावान व्यक्तित्व हैं जो नेपथ्य में चले गए हैं। उन्होंने बेलटुकरी के दाऊ कामता प्रसाद से लेकर जे योगानंदम तक के कई नामों का उल्लेख किया। विशिष्ट अतिथि लेखक पत्रकार एवं इतिहासकार आशीष सिंह ने कहा कि महापुरुषों को केवल जन्मदिन एवं पुण्य तिथि पर याद किया जाना उचित नहीं है उन्होंने गुरु घासीदास के सूर्योपासना पशु प्रेम की अन्य धर्मावलंबियों द्वारा किए जाने वाली क्रियाओं से वैज्ञानिक दृष्टिकोण के तहत तुलनात्मक समायोजन की चर्चा की। स्वागत वक्तव्य में सृजन पीठ के अध्यक्ष ललित कुमार वर्मा ने कहा कि कुछ महानुभावों ने शहीद वीर नारायण सिंह और बाबा गुरु घासीदास पर एक साथ आयोजन को लेकर असहमति जाहिर की थी लेकिन जब उन्हें आयोजन की महत्ता के संबंध में जानकारी दी गई तो वे मौन साध लिए। उन्होंने कहा कि अगर साहित्य का इतिहास होता है तो इतिहास का भी साहित्य होता है। आयोजन में भारत आल्हा गायन दल के नारायण चंद्राकर एवं टीम ने वीर नारायण सिंह पर केंद्रित आल्हा गायन किया तथा रंगकर्मी राकेश तिवारी ने वीर नारायण सिंह पर बसदेव गीत गाया।

संचालन डीपी देशमुख एवं आभार व्यक्त साहित्यकार एवं वरिष्ठ पत्रकार शिवनाथ शुक्ला ने किया। इस अवसर पर डॉक्टर नलिनी श्रीवास्तव, विजय वर्तमान, शरद कोकास, शुचिभवि, त्र्यंबक राव साटकर ,प्रदीप भट्टाचार्य, पुन्नू यादव, कमलेश वर्मा, डॉक्टर चंद्रशेखर शर्मा, संध्या श्रीवास्तव, नीलम जायसवाल, पत्रकार मोहम्मद जाकिर हुसैन, डॉक्टर नौशाद सिद्दीकी, संजीव तिवारी, टी एन कुशवाहा, अंजन, हितेश साहू, सनत मिश्रा सहित बड़ी संख्या में पुरातत्व साहित्य व इतिहास से जुड़े नागरिक गण बड़ी संख्या में मौजूद थे।

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

शराबियों की क्रूरता: कुत्ते के बांधे हाथ-पैर, फिर गले में फंदा डालकर दे फांसी

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में शराबियों ने क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए आवारा कुत्ते के हाथ पैर बांधा फिर उसके गले में फांसी का फंदा लगाकर मौत के घाट उतार दिया। ये घटना न्यू राजेंद्रनगर थाना क्षेत्र की है। यहां अमलीडीह शराब भट्टी के पास एक डॉगी कुछ शराबियों को देखकर भौंक रहा था वहीं शराबियों को कुत्ते का भौंकना रास नहीं आया जिससे नाराज होकर शराबी युवकों ने कुत्ते का पैर बांधा और उसे एक दीवार पर फांसी पर लटका दिया। फांसी के फंदे पर लटकाने से कुत्ते की मौत हो गई। जिस कुत्ते की हत्या की गई वह अमलीडीह इलाके के शराब भट्टी के पास घूमा करता था।

इस मामले में पुलिस ने बताया कि इस तरह की सूचना तो आ रही है लेकिन अब तक किसी तरह की शिकायत नहीं हुई है। यदि इस तरह की घटना हुई होगी तो निश्चित तौर पर शिकायत के आधार पर पुलिस अग्रिम कार्रवाई करेगी।

दो बाइक में हुई आमने-सामने की टक्कर, दो की मौत, एक घायल

महासमुंद (ए)। जिले में बागबाहरा हाईवे रोड के पास दो बाइकों में हुए जबरदस्त टक्कर में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, वहीं एक युवक गंभीर रूप से घायल है। ये मामला कोमाखान थाना का है।

पुलिस के अनुसार, बाइक के आमने टक्कर से करण महानंद पिता चंदनसिंग महानंद उम्र 35 साल ग्राम बोईरगांव बुडेन ओडिशा और पुरूषोत्तम साहू पिता घनाराम साहू उम्र 30 साल ग्राम चिंगरौद महासमुंद निवासी की मौत हो गई। वहीं विकास महानंद पिता अर्जुन गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस सूचना पर घटना स्थल पर पहुंची पुलिस पंचनामा कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

मर्सेडीज ने बाइक सवार को मारी जोरदार टक्कर, घायल अस्पताल में भर्ती

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के तेलीबांधा तालाब के पास पेट्रोल पम्प के पास हुए सड़क दुर्घटना में तेज रफतार मर्सेडीज ने 2 पहिया सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। ये मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार, घटनास्थल पर पर बाइक के परखच्चे उड़ गए वही घायल को गंभीर अवस्था मे अस्पताल रवाना किया गया है। मर्सेडीज चालाक की तलाश जारी है।

हत्या के बाद फेंकी थी दलदल में लाश आरोपी ने बचने मुंडवा लिया था सिर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के आरंग थाना क्षेत्र में बच्चे की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। चार दिन पहले बच्चे की लाश दलदल मिली थी। इस मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। बुधवार को एसएसपी प्रशांत अग्रवाल ने मामले का खुलासा करते हुए कई चौंकाने वाली बातें बताई। दरअसल आरोपी युवक और मृतक बच्चा साथ मिलकर चोरियां करते थे।

आरोपी युवक को डर था कि कहीं बच्चा चोरियों वाली बात किसी को बता न दे और इसी डर से बच्चे की हत्या कर शव को दलदल में छिपा दिया था। खास बात यह है कि आरोपी पुलिस से बचने के लिए अपने रिश्तेदार के यहां सिर मुंडवाकर रह रहा था।

बता दें आरंग थाना क्षेत्र के भानसोज निवासी रूपेंद्र निर्मलकर (10) 15 दिसंबर से लापता था। परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन वह कहीं नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस थाने में दी। पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इसबीच 17 दिसंबर को गांव के दलदल में बच्चे का शव मिल गया। पीएम रिपोर्ट में बच्चे की हत्या की पुष्टि हुई इसके बाद पुलिस आरोपी की तलाश में लग गई।

जांच के दौरान पुलिस को यह पता चला कि बच्चा आखिरी बार दुर्गेश निर्मलकर (21) के साथ देखा गया था। इसके बाद पुलिस ने दुर्गेश की तलाश शुरू की लेकिन वह अपने घर पर नहीं मिला। इसके बाद पुलिस लगातार दुर्गेश का पता लगाती रही। उसका मोबाइल लोकेशन ट्रेस किया जिसमें पता चला कि दुर्गेश महासमुंद के खल्लारी इलाके में है। पुलिस की एक टीम खल्लारी पहुंची और और आरोपी दुर्गेश निर्मलकर को उसके रिश्तेदार के घर से दबोच लिया। आरोपी पुलिस को चकमा देने के लिए सिर मुंडवा लिया था।

चोरी की रकम को लेकर होता था विवाद

पुलिस पूछताछ में आरोपी दुर्गेश ने बताया कि दोनों साथ मिलकर चोरी करते थे। चोरी के माल का ज्यादा हिस्सा दुर्गेश रख लेता था इसके कारण उसका रूपेन्द्र से विवाद होता था। इसके कारण रुपेन्द्र गांववालों की उसकी सच्चाई बताने की धमकी देता था। इसी डर के मारे उसकी हत्या कर दी थी। आरोपी ने बताया कि उसे डर था कि रूपेन्द्र उसका नाम ले लेगा और उससे बदनामी होगी। इसलिए बच्चे की हत्या की प्लानिंग कर उसे मिलने के लिए बुलाया और गला दबा कर हत्या करने के बाद उसकी लाश को दलदल में फेंक दिया था।

रुआबांधा बस्ती से अवैध रूप से शराब बेच रहे शख्स को पुलिस ने किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जिले में नशाखोरी एवं अवैध कारोबार मे रोक लगाने एवं थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था को बनाए रखने के लिए जिला दुर्ग के पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव के द्वारा दिये गये दिशा निर्देशो का कड़ाई से पालन करते हुये अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर जिला दुर्ग संजय ध्रुव एवं नगर पुलिस अधीक्षक भिलाई नगर निखिल राखेचा के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई।

भिलाईनगर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि रुआबांधा बस्ती भिलाई निवासी ललित यादव अपने पास घटना स्थल आजाद चौक बरगद पेड़ के पास सफेद बोरी में देशी मसाला शराब रखकर बिक्री कर रहा है। जिसकी सूचना पर मुखबीर के बताए स्थान पर पहुंचकर आरोपी ललित यादव पिता गंगाराम यादव उम्र 30 साल निवासी आजाद चौंक रुआबांधा बस्ती भिलाई के कब्जे से 30 पौवा देशी मसाला मदिरा को बिक्री करते पाए जाने पर आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 692/2022 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया।

रॉन्ग साइड खड़े ट्रैक्टर से टकराई बाइक, 2 की मौत

बालोद (ए)। बालोद जिले में बुधवार को गन्ने से भरे ट्रक से बाइक टकरा गई, जिससे 2 युवकों की मौत हो गई। घटना बालोद-धमतरी मुख्य मार्ग पर ग्राम करहीभदर स्थित पेट्रोल पंप मोड़ के पास हुई है। ट्रैक्टर में गन्ना भरा हुआ था और ड्राइवर ने उसे रॉन्ग साइड में खड़ा कर रखा था। बालोद थाना पुलिस घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची।

बालोद थाना प्रभारी नवीन बोरकर ने बताया कि बुधवार को रात 8 बजे तामेश्वर उर्फ गोलू और विनायक उर्फ पिंटू धमतरी से अपने गांव खपरी मालीघोरी वापस लौट रहे थे। ग्राम करहीभदर में पेट्रोल पंप मोड़ के पास वे विपरीत दिशा में खड़े ट्रैक्टर को देख नहीं सके। बाइक की रफ्तार तेज थी, जिसके कारण जब तक उनकी नजर ट्रैक्टर पर पड़ी, तब तक देर हो चुकी थी। तेज रफ्तार बाइक ट्रैक्टर से जा टकराई। हादसे में एक तामेश्वर की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं विनायक ने अस्पताल ले जाते हुए रास्ते में ही दम तोड़ दिया। ट्रैक्टर-ट्रॉली के चक्के में टकराने से बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

लोगों ने पुलिस को दुर्घटना की सूचना दी। जिसके बाद बालोद थाना पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों युवकों के शव को गुरुवार को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया जाएगा। ग्राम करकाभाट के गन्ना कारखाने से सैंकड़ों गाड़ियां रोज गन्ना लेकर निकलती हैं। अक्सर गन्ने के खिसकने से गाड़ियों के पलटने की आशंका बनी रहती है। गन्ने के गिरने के कारण ड्राइवर गलत तरीके से ट्रैक्टर को सड़क पर ही खड़ा भी कर देते हैं। कोई संकेतक नहीं होने से दूर से आ रही गाड़ियां रात में इन्हें देख नहीं पातीं। इंडिकेटर के अभाव में अक्सर सड़क हादसे होते रहते हैं।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

घर का सामान लेने गया था बाजार अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग (ए)। दुर्ग जिले के धमधा थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई। कोई अज्ञात वाहन युवक को रौंदता हुआ चला गया। सिर कुचलने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस आरोपी वाहन चालक की तलाश कर रही है।

धमधा पुलिस के मुताबिक उन्हें सूचना मिली थी कि थाने से कुछ दूर पर एक बाइक सवार को किसी वाहन ने टक्कर मार दी है। पुलिस ने मौके पर जाकर देखा तो बाइक दूर पड़ी थी। बाइक चालक का शव सड़क के किनारे ही पड़ा था। कोई अज्ञात वाहन उसे टक्कर मारकर भाग गया। उसका सिर वाहन के पहिये के नीचे आने से बुरी तरह कुचल गया। इससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की तो बाइक चालक की पहचान विवेकानंद नगर, बोरसी रोड दुर्ग निवासी धर्मेंद्र बघेल के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि वह किसी काम से बाइक सीजी 07 एलबी 8680 से धमधा गया हुआ था। रास्ते में उसे किसी वाहन ने टक्कर मार दिया।

पुरानी रंजिश में दो युवकों ने किया खौफनाक कांड

अलाव ताप रहे युवक के प्राइवेट पार्ट में लगा दी आग

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां पुरानी रंजिश में दो युवकों ने अलाव ताप रहे युवक के प्राइवेट पार्ट में आग लगा दी। घटना मंगलवार की है जिसकी रिपोर्ट बुधवार को थाने में हुई। मामला यहां के मानिकपुर चौकी क्षेत्र का है। इस मामले में फिलहाल पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मानिकपुर चौकी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मानिकपुर बस्ती निवासी अमित खलखो मंगलवार की रात बस्ती में ही अलाव ताप रहा था। इस बीच उसी बस्ती के रहने वाले रंजीत और विक्की नाम के दो युवक पहुंचे। बताया जा रहा है कि इन युवकों का अमित खलको से पुरानी रंजिश है। अलाव ताप रहे अमित के साथ इन दोनों ने विवाद किया और और जमकर मारपीट भी हुई। इस दौरान एक ने अमित के दोनों हाथ पकड़ लिए और दूसरे ने अलाव की जलती लकड़ी निकाली और अमित के प्राइवेट पार्ट को जला दिया।

पुलिस ने बताया कि अमित ने हाफ पेंट पहन रखा था और आग पेंट पर लगी। इससे वह झुलस गया। इससे युवक की जांघ झुलस गई। घटना के बाद दोनों युवक भाग निकले। इसके बाद झुलसे युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस मामले में पुलिस ने दोनों युवकों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

हसदेव में डूबे दो छात्र: 26 घंटे बाद मिली एक छात्र की लाश, दूसरे की तलाश जारी, नहाने के दौरान हुआ हादसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

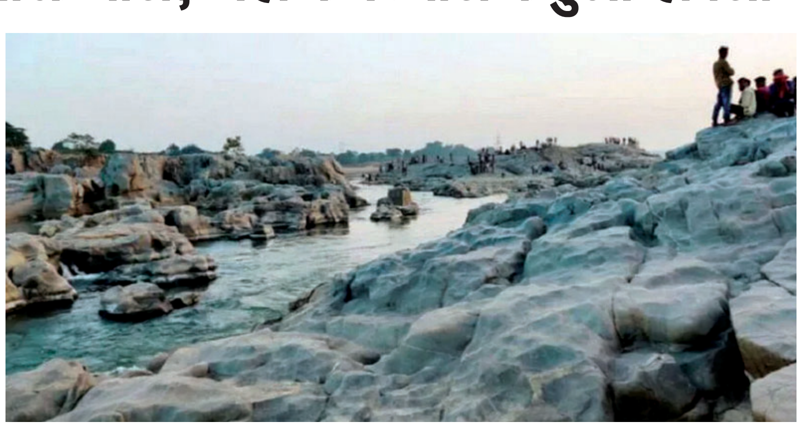

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले में पिकनिक मनाने हसदेव नदी पहुंचे दो छात्र नदी में डूब गए। घटना मंगलवार दोपहर बाद की बताई जा रही है। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची एसडीआरएफ व स्थानीय गोताखोरों ने काफी प्रयास किया लेकिन शव नहीं मिले। बुधवार को सुबह फिर से रेस्क्यू शुरू हुआ। शाम 5 बजे के आस-पास एक छात्र का शव बरामद किया गया वहीं दूसरे छात्र का कुछ पता नहीं चल पाया है।

घटना जिले के बलौदा थाना क्षेत्र का है। बलौदा निवासी प्रांजल देवांगन(17) और दिव्यांशु कटकवार(16) अपने 6 अन्य दोस्तों के साथ मंगलवार को पिकनिक मनाने देवरी चिचोली गए थे। पिकनिक के दौरान यहां सभी ने पहले खाना खाया और इसके बाद सभी खेलकूद में लग गए। इस बीच दिव्यांश और प्रांजल हसदेव नदी में नहाने चले गए थे। नहाने के दौरान दोनों नदी की गहराई में चले गए और डूब गए। जब छात्र डूब रहे थे तो वे चीखने लगे थे। शोर सुनकर साथी छात्रों ने आसपास के लोगों को जमा किया। छात्रों ने भी काफी तलाश किया और उसके बाद परिजनों को सूचना दी।

मौके पर स्थानीय गोताखोरों ने छात्रों को निकालने का प्रयास किया लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद पुलिस ने भी गोताखोरों की मदद से छात्रों की तलाश शुरू की। रात होने तक कुछ पता नहीं चला तो रेस्क्यू रोक दिया गया। बुधवार सुबह एसडीआरएफ और नगर सेना की टीमों ने तलाश शुरू की। दिनभर की तलाश के बाद शाम 5 बजे प्रांजल का शव बहार निकाला गया। वहीं दूसरे दिव्यांशु का कुछ पता नहीं चल पाया है।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग दुर्ग (छ.ग.)

ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक - 32
Email id : ee-res.durg@gov.in

ज्ञा.क्रं.3497/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2022-23   दुर्ग, दिनांक 20/12/2022

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	तालाब सौंदर्यीकरण कार्य ग्राम जामगांव 'एम' वि.ख. पाटन S.T.No. 117755	34.12

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी http://eproc.cgstate.gov.in में अथवा कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर दिनांक 20/12/2022 से देखी जा सकती है एवं ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 29.12.2022 तक है।

जी- 96890/4

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग
दुर्ग (छ.ग.)

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट
सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

मरम्मत करने तीन दिन का शटडाउन, टंकी मरोदा क्षेत्र में टैंकर से पानी सप्लाई

रिसाली। टंकी मरोदा स्थित ओवर हेड टैंक का मुख्य वॉल में खराबी आने की वजह से पेयजल आपूर्ति प्रभावित है। क्षेत्र में आवश्यकता अनुसार टैंकर के माध्यम से घरों तक पानी पहुंचाया जा रहा है। सहायक अभियंता अखिलेश गुप्ता ने बताया कि मरम्मत कार्य पूर्ण होने के बाद शुक्रवार से नल से पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। जानकारी के मुताबिक ओवर हेड टैंक की क्षमता 18 लाख लीटर है। टैंक से पानी सप्लाई करने 400 एम एम का व्हाल लगाया गया है। व्हाल जाम होने की वजह से मरम्मत करने गुरूवार तक के लिए शटडाउन लिया गया है।

पंडवानी गुरु झाडूराम देवांगन की याद में 3 दिन का पंडवानी समारोह 23 से

भिलाई। पंडवानी के पुरोधा और गुरु दिवंगत झाडू राम देवांगन के ग्रह ग्राम बासीन भिलाई में छत्तीसगढ़ आदिवासी लोक कला अकादमी, छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पंडवानी समारोह का आयोजन 23, 24 और 25 दिसंबर को होने जा रहा है। जिसमें तीनों दिन पंडवानी विधा के ख्यातिलब्ध कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इस दौरान दर्शकों को पंडवानी की अलग-अलग शैलियों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। छत्तीसगढ़ आदिवासी लोककला अकादमी के अध्यक्ष नवल शुक्ल ने बताया कि जामुल के समीपस्थ ग्राम बासीन में कार्यक्रम प्रतिदिन शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। पहले दिन 23 दिसंबर को पंडवानी गुरु डॉक्टर तीजनबाई के अलावा दुष्यंत द्विवेदी, मीना साहू ,लखन लाल ध्रुव व इंदिरा जांगड़े शामिल होंगे। दूसरे दिन 24 दिसंबर को ऋतु वर्मा,प्रहलाद गुलशन निषाद, कन्हैया बंदे अमृता साहू व चेतन लाल देवांगन अपनी पंडवानी की प्रस्तुति देंगे। वहीं अंतिम दिन 25 दिसंबर की शाम अर्जुन सेन, शांति चेलक, प्रभा यादव व उषा बारले की प्रस्तुति होगी।

मैथिल ब्राम्हण समाज के बदलते स्वरूप का संस्कृति पर प्रभाव विषय पर वैचारिक गोष्ठी 24 को

दुर्ग। छत्तीसगढ़ मैथिल ब्राम्हण समाज के बदलते स्वरूप का संस्कृति पर प्रभाव विषय पर वैचारिक गोष्ठी,अखिल भारतीय कवि सम्मेलन व अटल गौरव सम्मान कार्यक्रम का आयोजन 24 दिसम्बर को वृंदावन सभागार,आई डी बी आई बैंक के पास सिविल लाइन रायपुर में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जा रहा है। मैथिल ब्राम्हण समाज के प्रदेश संयोजक मनीष कुमार झा ने बताया कि इस कार्यक्रम के वैचारिक गोष्ठि के उद्धघाटन एवं प्रथम सत्र के मुख्य अतिथि विकास उपाध्याय संसदीय सचिव एवं विधायक होंगे। समारोह की अध्यक्षता आचार्य रमेन्द्र नाथ मिश्र प्रसिद्ध साहित्यकार, इतिहासकार,पुरातत्वविद, विशेष अतिथि अशोक चौधरी राजनांदगांव,डॉ.महेंद्र कुमार ठाकुर , नर्मदा प्रसाद मिश्र , डॉ.पुर्णप्रकाश झा ,डॉ. सुमन मिश्र रायपुर,प्रवीण झा बिलासपु होंगे। द्वितीय सत्र एवं सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि प्रमोद दुबे सभापति- रायपुर नगर पालिक निगम होंगे।अखिल भारतीय कवि सम्मेलन राजेश जैन राही के संचालन में होगा।जिसमे रायपुर सहित इंदौर, सीधी से कवि-कवियित्री कविता पाठ करेंगे।

श्रीराम कथा के आठवें दिन भरत प्रसंग की कथा, बापू के भजनों में झूमे भक्त

सनातन धर्म में भगवान के कई रूप पर उनके पास न तो भगवान हैं और न ही भगवान का रूप

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दूसरे धर्म वाले सनातम हिन्दू धर्म से इसलिए जलते हैं क्योंकि उनके पास न तो भगवान का रूप है और न ही उनके भगवान का अतापता। हिन्दू धर्म में भगवान के हर रूप सुंदर है। इसलिए पूरी दुनिया हिन्दुओं से जलती है। क्योंकि भारत के पास वह खजाना है जिसे पूरी दुनिया लूटना चाहती है। श्रीरामकथा के आठवें दिन खुर्सीपार के दशहरा मैदान में बापू चिन्मायनंद ने कहा कि दूसरे धर्म के लोग परेशान हो गये है। खिसयानी बिल्ली की तरह दूसरे धर्म वाले केवल खंम्भा ही नोच रहे हैं। आदिवासियों को चावल का लोभ देकर क्रास पहनाने की कोशिश तो की, पर सफल नहीं हो पाए।

उन्होंने कहा कि एक धर्म में केवल उनके भगवान का एक ही चेहरा है तो दूसरे धर्म के लोगों ने अपने भगवान का चेहरा तक नहीं है। पहले वे कमरे के अंदर से पुकारते थे, लेकिन अब माइक लेकर पुकारते हैं। पर हमारे प्रभु बिना कान के सुनते हैं और बिना हाथ के सब पर आशीर्वाद बनाए रखते हैं और वह है महाप्रभु जगन्नाथ। बापू चिन्मायनंद ने बुधवार को राम भरत मिलन के प्रसंग को सुनाया। इस अवसर पर मुख्यअतिथि सांसद विजय बघेल, भाजपा जिलाध्यक्ष ब्रिजेश बिचपुरिया, पूर्व मंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय, श्रीरामजन्मोत्सव समिति के जिलाध्यक्ष मनीष पांडेय, पार्षद एवं जीवन आनंद फाउंडेशन के अध्यक्ष विनोद सिंह, संकटा पाठक, तेज बहादूर सिहं, पियुष मिश्रा, बुधन ठाकुर, जोगिंदर शर्मा, बंटी पांडेय, रमेश माने, अजय पाठक, राजेश त्रिपाठी, उमेश मिश्रा, बलविंदर सिहं, आचार्य संदीप तिवारी,अजीत सिंह, प्रकाश यादव, टोपा, श्रीनु, नील मानिकपुरी, शंकर केडिया, पवन भारद्वाज, सोनू शर्मा, आदि मौजूद थे।

कथा से मन का स्नान

बापू चिन्मायनंद ने कहा कि कथा का प्रभाव ऐसा है कि वह सीधे मन को पवित्र करता है। कथा मन का एक तरह का स्नान है जिससे मन निर्मल और स्वच्छ हो जाता है। मन में बुरा विचार नहीं आता। बापू ने कहा कि हमेशा संतों और परमार्थी से ही मार्ग पूछना चाहिए क्योंकि वे सीधा मार्ग बताएंगे, लेकिन स्वार्थी से मार्ग पूछोगे तो वे भटकाएंगे। उन्होंने कहा कि शास्त्रों का साथ भी एक समय के बाद छोड़ देन चाहिए। क्योंकि शास्त्र केवल रास्ता है जबकि मंजिल कही ओर हैं।

भावुक हुए बापू और भक्त

श्रीराम के विरह में राजा दशरथ की मृत्यु , माता कौशल्या की स्थिति और भरत-कैकेई के बीच के संवाद को सुनाते वक्त बापू और भक्त दोनों ही भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि भरत जी ने अपनी माता का त्याग इसलिए कर दिया क्योंकि उन्हें राम प्रिय नहीं थे। बापू ने कहा कि तुलसीदास जी ने भी कहा है कि जिन्हें रामसीता प्रिय नहीं उनका त्याग ही करना अच्छा होता है। उन्होंने कहा कि प्रहलाद ने पिता को छोड़ा, विभिषण ने भाई को छोड़ा, मीरा ने राणा को छोड़ा।

भगवान ने वर्ण बनाया हमें बना दी जातियां

राष्ट्रसंत चिन्मायनंद बापू ने कहा कि भगवान ने हमारे कर्मों के हिसाब से चार वर्णों में बांटा और सबको बराबरी पर रखा, लेकिन हमनें उन वर्णों को जातियों में बांट दिया। उन्होंने कहा कि कर्म केवल हमारे हाथ में है। भगवत गीता में भी भगवान ने कहा कि व्यापार में लाभ या हानि हो इससे टेंशन लेने की जरूरत नहीं आपका काम केवल कर्म करना चाहिए।

शिखर जी के पर्यटन स्थल बनाने की घोषणा के बाद जैन समाज आक्रोश में

भिलाई दुर्ग के सकल जैन समाज ने किया मौन विरोध, जुटे हजारों लोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। सकल जैन समाज दुर्ग भिलाई के आह्वान पर झारखंड सरकार द्वारा श्री समवेत शिखर तीर्थ क्षेत्र को पर्यटन क्षेत्र घोषित करने के विरोध में बांदा तालाब दुर्ग से एक भव्य मौन रैली जिसमें हजारों की संख्या में सकल जैन समाज दुर्ग भिलाई के जैन समाज के अनुयायियों ने इस मौन रैली में हिस्सा लिया और झारखंड सरकार से समवेत शिखर में 20 जैन तीर्थंकरों एवं अनंत संतो की मोक्ष स्थली को स्वतंत्र पहचान पवित्रता और संरक्षण देने हेतु यह शांति प्रिय आंदोलन झारखंड सरकार को चेतावनी थी जिसमें सकल जैन समाज के लोगों ने आज मौन रैली निकालकर जिला कलेक्टर को प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, झारखंड के मुख्यमंत्री, केंद्रीय पर्यावरण एवं वन जलवायु मंत्री को के नाम ज्ञापन सौंपकर लिए गए निर्णय को वापस करने की मांग की गई। आज सुबह से ही जैन समाज के सदस्यों ने अपनी व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रखकर अपना विरोध झारखंड सरकार के प्रति दर्ज किया। बांदा तालाब से निकली इस मौन रैली में लगभग 5000 से अधिक जैन समाज के श्रावक श्राविकाओ ने इस रैली में हिस्सा लिया हिस्सा लिया यह रैली बांदा तालाब शनिचरी बाजार गांधी चौक दिगंबर जैन मंदिर जवाहर चौक मोती कांप्लेक्स पुराना बस स्टैंड होते हुए जिला कलेक्ट्रेट परिसर पहुंची और वहां जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर इस निर्णय को तुरंत वापस लेने की मांग की आज की रैली में सकल जैन समाज के अध्यक्ष मदन जैन ओसवाल पंचायत के अध्यक्ष गौतम बोथरा मूर्तिपूजक संघ के महेंद्र दुग्गड वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ के दिलीप देश लहरा श्रमण संघ के निर्मल बाफना समरथ जैन संघ के शांतिलाल चोपड़ा तेरापंथ जैन संघ के निर्मल श्री श्री माल सुधर्म जैन संघ से किशोर कोठारी साधुमार्गी जैन संघ के राजेंद्र श्री श्री माल शांत शांत क्रांत जैन संघ के कानमल बाफना दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष ज्ञानचंद पाटनी दिगंबर जैन खंडेलवाल पंचायत के अध्यक्ष राकेश छाबड़ा श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर से दीपक जैन ऋषभ नगर मंदिर ट्रस्ट से उत्तम बराडिया जैन मंदिर पदनाभपुर ,कैलाश गोलछा जिन कुशल जैन दादाबाड़ी, पंकज छाबड़ा आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर अपने अपने संघ संगठन के सदस्यों के साथ सहित जैन समाज का एक बड़ा वर्ग आज इस मौन रैली का हिस्सा बना. इसके अलावा दुर्ग जैन समाज के विभिन्न संगठन के सदस्य जिसमें श्रमण संघ स्वाध्याय मंडल खतरगक्ष युवा संघ समता युवा संघ दिगंबर जैन नवयुवक मंडल के अलावा कई जैन धार्मिक जैन महिला संगठनों के सदस्य इस रैली में भाग लिया।

सकल जैन समाज भिलाई द्वारा श्री सम्मेद शिखर तीर्थ क्षेत्र में पर्यटन स्थल घोषित संबंधी आदेश को निरस्त किए जाने के लिए दुर्ग जिलाधीश कार्यालय में एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

भिलाई। सकल जैन समाज दुर्ग भिलाई के आह्वान पर झारखंड सरकार द्वारा श्री सम्मेद शिखर तीर्थ क्षेत्र को पर्यटन क्षेत्र घोषित करने के विरोध में श्री त्रिवेणी जैन तीर्थ सेक्टर 6 जैन भवन से सकल जैन समाज, जैन मिलन, जैन ट्रस्ट, श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन महासभा सेक्टर 6 मंदिर, श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर रूआबांधा, नेहरू नगर, श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर वैशालीनगर श्वेताबर जैन मंदिर वैशाली नगर पावर हाउस, भिलाई-3, चरोदा स्थानक भवन पार्श्वनाथ धाम, श्री मल्लीनाथ दिगंबर जैन मंदिर रिसाली, जैन महिला क्लब सेक्टर 6 भिलाई, श्वेताबर जैन मंदिर सेक्टर 6, स्थानक भवन, तारनतरन मंदिर समिति के आज हजारों जैन समाज के पुरूष वर्ग श्वेत वस्त्र धारण कर एवं महिलाएं केशरिया साड़ी धारण कर युवा एवं बालिकाओं द्वारा श्री समवेद शिखर तीर्थ क्षेत्र जो जैन धर्म की धार्मिक एवं भावनात्मक आस्था का प्रतीक है और इस क्षेत्र में पर्यटन स्थल घोषित किये जाने के विरोध में आक्रोश जैन समाज के द्वारा आक्रोश से भरी रैली जैन भवन सेक्टर 6 से विशाल रैली ग्लोब चौक से सेक्टर 9 हॉस्पिटल के पास से वाईशेप पुल से दुर्ग हिंदी भवन गांधी प्रतिमा जी के पास मोटर सायकल, स्कूटर कार आदि वाहनों के साथ पहुंचे जहां दुर्ग जिलाधीश कार्यालय हिंदी भवन के सामने से पैदल चलते हुए जैन ध्वजा लेकर सम्मेद शिखर तीर्थ क्षेत्र हमारा है तख्तिया हाथों में लेकर सैकड़ों युवा और महिलाएं अपने हाथों में तख्तिया लेकर रैली में अंहिसा परमो धर्म की जयकारा लगाते हुए भगवान महावीर के जीओ और जीने दो के जयकार के साथ केन्द्र सरकार एवं झारखण्ड सरकार से इस पर्यटन क्षेत्र के प्रस्ताव को निरस्त कराने के लिए अपना आक्रोश व्यक्त कर रहे थे।

भिलाई के शिराज की 'मैकेनिक दादा' दिखाई गई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पहला पूर्वोत्तर भारत अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल 2022 का दो दिवसीय आयोजन नागालैंड के दीमापुर में हुआ। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार एवं राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम की स्पांसरशिप के साथ हुए इस आयोजन में इस्पात नगरी भिलाई के पले बढ़े और इन दिनों मुंबई में फिल्म निर्माण में सक्रिय शिराज हेनरी की ज्वाइंट डायरेक्टर के तौर पर प्रमुख भागीदारी रही।

इस आयोजन का मकसद पूर्वोत्तर क्षेत्र को फिल्म निर्माण के क्षेत्र में प्रोत्साहित करना था जिससे लोग ज्यादा से ज्यादा फिल्मों की शूटिंग यहां आकर करें। इस अंतरराष्ट्रीय समारोह में शिराज हेनरी द्वारा निर्देशित हिंदी/नागा फिल्म 'मैकेनिक दादा' का प्रदर्शन गैर प्रतियोगी वर्ग में हुआ। साथ ही साथ इसका प्रीमियर भी यहां हुआ। इस दौरान शिराज की इस फिल्म को सराहा गया और विशेष रूप से सम्मानित किया गया। आयोजन में डेढ़ सौ से ज्यादा भारतीय व विदेशी फिल्मों का प्रदर्शन हुआ। वहीं स्थानीय स्तर पर मणिपुर असम सिक्किम त्रिपुरा मेघालय और अरुणाचल प्रदेश के फिल्मकारों ने भी भागीदारी दी। शिराज हेनरी ने बताया कि उनकी इस महत्वाकांक्षी फिल्म 'मैकेनिक दादा' की शूटिंग नागालैंड की खुबसूरत लोकेशंस में की गई और फिल्म में तमाम कलाकार भी नागालैंड से ही थे। शिराज ने बताया कि इसके पहले वह अपनी दो फिल्म पूर्वोत्तर भारत में शूट कर चुके हैं। जिसमें 'लिटिल ब्वॉय' अरुणाचल प्रदेश में और 'ते-अमो' मेघालय एवं आसाम में फिल्माई गई थी। शिराज ने बताया कि उनकी 'मैकेनिक दादा' पूर्वोत्तर भारत की फिल्मों को रिलीज करने खास तौर पर बनाए गए ओटीटी प्लेटफार्म गोल्ड प्ले एनई-8 पर रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म के लेखक हेकिशे सेमा, प्रोड्यूसर रेबेका चंगकीजा, को-प्रोड्यूसर आलिया सेमा, कलाकारों में कार्तिक करण, याना शकलानी, कैथी सुमी व नागालैंड के अन्य शामिल हैं। फिल्म समारोह में इस फिल्म के लेखक हेकिशे सेमा का सम्मान भी किया गया। शिराज हेनरी ने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय समारोह का आयोजन फाइंड स्टूडियोज ने सुषमा प्रोडक्शन के एसोसिएशन से किया था। आयोजन में राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम के प्रबंध निदेशक रविंद्र भागकर, सूचना प्रसारण मंत्रालय के अवर सचिव मोहम्मद जाहिद शरीफ, लिंडा नेवमाई, सुषमा गुरुंड और जूतिका महंत सहित अन्य प्रमुख हस्तियां उपस्थित थीं।

मोतीलाल वोरा की पुण्यतिथि पर आयोजित हुई सर्वधर्म प्रार्थना सभा

सोनिया, राहुल, खड़गे एवं भूपेश समेत सभी नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अग्रिम पंक्ति के नेता रहे पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व राज्यपाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री व लंबे समय तक राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी का निर्वहन करने वाले दिग्गज कांग्रेसी मोतीलाल वोरा की द्वितीय पुण्यतिथि पर कांग्रेस की पूर्व अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम समेत सभी वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

गांधी परिवार के अत्यंत करीबी एवं परिवार समान माने जाने वाले श्री वोरा को नमन करते हुए मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि वे राजनीति का पूरा पाठ्यक्रम रहे एक अभिभावक के रूप में उनकी दी हुई सीख एवं उनका प्रेम स्नेह आज भी हम सभी के साथ है।

मल्लिकार्जुन खड़गे एवं राहुल गांधी ने भी उनकी कर्मशीलता को युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक बताते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया। स्व मोतीलाल वोरा की धर्मपत्नी श्रीमती शांति वोरा उनके पुत्र वरिष्ठ विधायक अरुण वोरा की मौजूदगी में शिवनाथ तट पुष्पवाटिका स्थित उनके समाधि स्थल पर भजन कीर्तन एवं सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया जहां हनुमान मंदिर दुर्ग के पंडित आनंद महाराज, मुस्लिम समाज के मौलाना शहाबुद्दीन, मेनो नाइट चर्च के पास्टर राकेश प्रकाश एवं गुरुद्वारा के ज्ञानी दलजीत सिंह ने ईश्वर से श्री वोरा के लिए प्रार्थना की एवं सभी ने मोतीलाल वोरा से जुड़े अपने अपने संस्मरण सुनाते हुए उनकी कार्यशैली को अद्भुत बताया।

उनके सुपुत्र एवं शहर विधायक अरुण वोरा ने अपनी बात दोहराते हुए कहा कि उनके पिता का आशीर्वाद एवं शिक्षा सदैव उनके साथ है वे दुर्ग शहर को अपना परिवार समझते थे एवं हमेशा जनसेवा की शिक्षा दी अब शहर की जनता में ही अपने अभिभावक देखते हुए अंतिम सांस तक उनकी सेवा करना ही बाबूजी को सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम के दौरान वोरा परिवार से उनके ज्येष्ठ सुपुत्र अरविंद वोरा, भतीजे राजीव वोरा, पौत्र सुमित वोरा, संदीप वोरा एवं समस्त परिजनों के साथ ही वरिष्ठ नेता प्रदीप चौबे, आर एन वर्मा, शंकरलाल ताम्रकार, सुभाष शर्मा, प्रतिमा चंद्राकर, धीरज बाकलीवाल, गया पटेल, राजेन्द्र साहू, शशि सिन्हा, राजेश यादव, राधेश्याम शर्मा, शालिनी यादव, सीजू एंथोनी,रमेश जैन, कमल रूंगटा, बृजमोहन सिंह, वाय के सिंह, महेंद्र सेकसरिया, ब्लाक अध्यक्ष अल्ताफ अहमद, अजय मिश्रा, राजकुमार पाली, महीप सिंह, राजकुमार साहू,प्रीति मिश्रा, सुमन पांडेय, संगीता वाघेला समेत सभी पार्षदगण, एल्डरमैन, एमआईसी सदस्यों के साथ ही बड़ी संख्या में कांग्रेसी एवं आमजन मौजूद थे।

कृष्णा टॉकिज रोड हुआ वन वे

सुरक्षा का माप दंड पूरा कराने के बाद शुरू कराया काम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली निगम क्षेत्र के सबसे व्यस्त मार्ग कृष्णा टॉकिज रोड को वन वे किया गया है। राजा स्टील से चर्च तक आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। इस मार्ग पर 45 लाख की लागत से बाक्स कल्वट बनाया जा रहा है।

सड़क दुर्घटना को देखते हुए प्रभारी उपअभियंता नितिश अमन साहू ने लेआउट देने से पहले सुरक्षा इंतिजाम का पहले अध्ययन किया। राजा स्टील से चर्च तक मार्ग अवरूद्ध और परिवर्तित मार्ग का सूचना लगाने के बाद ही कार्य आरंभ करने निर्माण एजेंसी को अनुमति दी। उपअभियंता ने स्पष्ट निर्देश दिए है प्रतिदिन कार्य खत्म करने के बाद चर्च के निकट निर्माण एजेंसी को बेरीकेटिंग करना होगा। ताकि दुपहिया या चार पहिया वाहन रात में भी परिवर्तित मार्ग पर चल सके। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा उपायों पर नजर अंदाज करने पर निर्माण एजेंसी के खिलाफ नियमत: कार्यवाही की जाएगी।

45 लाख होगा खर्च

आरंभ से इस मार्ग पर पानी निकासी के लिए सिमेंट से बने बड़ा पाइप लगाया गया है। इसमें से 2 पाइप जाम है वहीं 3 पाइप के माध्यम से पानी निकासी होती है। बारिश के दिनों में पानी निकासी नहीं होने से पानी रिहायसी क्षेत्र में भरने लगता है। इस समस्या को स्थाई रूप से दूर करने 45 लाख खर्च कर बाक्स कल्वट का निर्माण किया जा रहा है।

दो माह का लगेगा समय

बाक्स कल्वट तैयार करने में लगभग दो माह का समय लगेगा। उपअभियंता के मुताबिक बाक्स कल्वट निर्माण दो किश्तों में किया जाएगा। एक साइड कल्वट तैयार करने के बाद दूसरे साइड को ब्लाक कर कल्वट निर्माण किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950